मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 216
शुक्रवार, 21 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को खतरे में डाल रही सरकार : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 20 फरवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डाल रही है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा के उस तरफ चीन की ओर से नये गांव बसाए जाने के दावे वाली खबर को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आप चीन के लिए लाल आंख के बजाय लाल सलाम की नीति अपना रहे हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, भौगोलिक संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है, मोदी सरकार इसे खतरे में डाल रही है।

उन्होंने दावा किया, हम बड़ी जिम्मेदारी के साथ और तथ्यों के आधार पर यह आरोप लगा रहे हैं। चीन ने अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा पर 90 नये गांव बसाने शुरू कर दिए हैं, वह हमारी सीमा पर पहले ऐसे 628 गांव बसा चुका है, ऐसा समाचार पत्रों का कहना है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, दिसंबर 2024 में चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की घोषणा की, जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। ब्रह्मपुत्र नदी, भारत के मीठे पानी के संसाधनों का 30 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे इसका प्रवाह देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में राज्यसभा में विदेश मंत्रालय के एक जवाब में कहा गया कि मार्च 2021 में चीन ने अपनी 14वीं पंचवर्षीय योजना को अपनाया, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के निचले इलाकों में पनबिजली परियोजनाओं का जिक्र है। खरगे ने दावा किया कि इसका मतलब है कि मोदी सरकार को 2021 से ही इस मामले की जानकारी थी, लेकिन फिर भी वह बिल्कुल चुप रही। उन्होंने आरोप लगाया, बात स्पष्ट है... मोदी जी, आपकी सरकार की प्राथिमिकता पीआर स्टंट और स्वयं के झूठे विज्ञापन हैं, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं।

उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने के लोकपाल के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, 20 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने संबंधी लोकपाल के आदेश पर बृहस्पतिवार को रोक लगाते हुए इसे बहुत परेशान करने वाला आदेश करार दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने लोकपाल द्वारा 27 जनवरी को पारित आदेश पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई कार्यवाही के संबंध में केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

इस पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अभय एस ओका भी शामिल हैं। पीठ ने शिकायतकर्ता को न्यायाधीश का नाम उजागर करने से रोक दिया है। उसने शिकायतकर्ता को

अपनी शिकायत गोपनीय रखने का भी निर्देश दिया।

लोकपाल ने उच्च न्यायालय के एक वर्तमान अतिरिक्त न्यायाधीश के विरुद्ध दायर दो शिकायतों पर यह आदेश पारित किया था। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने राज्य के एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश और उसी उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को, जिन्हें एक निजी कंपनी द्वारा शिकायतकर्ता के खिलाफ दायर मुकदमे की सुनवाई करनी थी, उस कंपनी के पक्ष में प्रभावित किया। यह आरोप लगाया गया है कि निजी कंपनी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की उस समय मुवक्किल थी, जब वह (न्यायाधीश) वकालत करते थे।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दो लोगों की मौत पर नोटिस भेजा

मेदिनीपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर के जिला अधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को उन खबरों पर एक नोटिस जारी किया है जिनमें कहा गया है कि जिले के एक गांव में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक बयान में कहा कि अगर मीडिया की खबर सही है, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। खबर में कहा गया है कि पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम प्रखंड के वेकुटिया गांव में एक सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से एक परिवार के दो लोगों की मौत हो गई और उसी परिवार के दो अन्य लोग घायल हो गए। एनएचआरसी ने इस मीडिया खबर का स्वतः संज्ञान लिया है। इसने पूर्व मेदिनीपुर के जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। सोलह फरवरी को प्रकाशित खबर के अनुसार, जो व्यक्ति सबसे पहले सेप्टिक टैंक को साफ करने के लिए उसमें उतरा था, उसने सांस के जरिये जहरीली गैस अंदर लेने के बाद दम घुटने की स्थिति में मदद के लिए पुकार लगाई। उसकी चीख सुनकर उसके परिवार के तीन सदस्य उसे बचाने के लिए टैंक में उतरे, लेकिन सांस के जरिये उनके अंदर भी जहरीली गैस प्रवेश कर गई और वे बेहोश हो गए। चारों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन केवल दो को ही बचाया जा सका।

असम में कोयला खदान में फंसे सभी नौ खनिकों के शव बरामद

असम, 20 फरवरी। असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे पांच और खनिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। खदान में लापता होने के 44 दिन बाद इन खनिकों के शवों को वहां से बाहर निकला गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बचाव अभियान के दौरान बुधवार देर शाम तीन शव बरामद किए गए, जबकि दो शव दिन में पहले बरामद किए गए थे।

इस बरामदगी के साथ छह जनवरी को वहां फंसे सभी नौ खनिकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। उमरंगशू में खदान में पानी निकालने का काम एक महीने से अधिक समय से जारी था और बुधवार को खदान में जलस्तर काफी कम हो जाने से खनिकों के शव को निकालने का अभियान शुरू किया जा सका।

शव बुरी तरह सड़ी गली अवस्था में बरामद किए गए जिन्हें गोताखोरों ने बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है और इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

छह जनवरी को खदान के अंदर पानी भर जाने से नौ मजदूर फंस गए थे और एक का शव दो दिन बाद बरामद किया गया, जबकि तीन अन्य के शव 11 जनवरी को मिले। जिन खनिकों के शव पहले बरामद किए गए थे, सरकार ने उनके परिजनों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी है और खदान में फंसे लोगों के परिजनों को छह-छह लाख रुपए दिए गए। राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि खदान में फंसे सभी लोगों के परिवारों को कुल 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने पहले दावा किया था कि खदान 12 साल पहले बंद कर दी गई थी और तीन साल पहले तक असम खनिज विकास निगम के अधीन थी। राज्य सरकार ने घटना की न्यायिक जांच की भी घोषणा की है, जिसमें उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश अनिमा हजारिका एक सदस्यीय समिति की अध्यक्षता करेंगी।

पंजाब के पास किसी भी राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं : मुख्यमंत्री मान

पंजाब, 20 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि राज्य के पास किसी भी प्रदेश को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। मान ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच नदी जल विवादों के निपटारे के लिए गठित रावी ब्यास जल अधिकरण के समक्ष यह बात कही।

अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विनीत सरन, सदस्यों न्यायमूर्ति पी. नवीन राव और न्यायमूर्ति सुमन श्याम तथा रजिस्ट्रार रीता चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है और किसी के साथ पानी की एक बूंद भी साझा करने

का सवाल ही नहीं उठता।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मान ने कहा कि पंजाब के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए कोई अतिरिक्त पानी नहीं है और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार पानी की उपलब्धता का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। उन्होंने अधिकरण के सदस्यों से राज्य के लोगों को न्याय दिलाने का भी आग्रह किया।

अधिकरण के सदस्य रावी जल प्रणाली के दौरे के लिए पंजाब में हैं। मान ने बताया कि पंजाब के 76.5 प्रतिशत ब्लॉक (153 में से 117) अत्यधिक दोहन वाले हैं, जहां भूजल निकासी का स्तर 100 प्रतिशत से अधिक है, जबकि हरियाणा में केवल 61.5 प्रतिशत ब्लॉक (143 में से 88) अत्यधिक दोहन वाले हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि राज्य में अधिकतर नदी जल संसाधन सूख चुके हैं, इसलिए उसे अपनी सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता है।

मान ने कहा कि स्थिति इतनी गंभीर है कि पंजाब के पास बहुत कम पानी है, जिसे वह सिर्फ अपने खाद्य उत्पादकों को दे पा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में किसी अन्य राज्य के साथ पानी की एक बूंद भी साझा करने का सवाल ही नहीं उठता।

जौनपुर में दो अलग-अलग सड़क हादसों में आठ श्रद्धालुओं की मौत, 30 लोग घायल

जौनपुर, 20 फरवरी। जौनपुर जिले के बदलापुर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि दोनों हादसे बुधवार रात वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग के सरोखनपुर अंडरपास पर एक-दूसरे से लगभग 200 मीटर की दूरी पर हुए। बदलापुर की उपजिलाधिकारी योगिता सिंह ने बताया कि बुधवार देर रात करीब दो बजे एक अज्ञात वाहन ने एक

एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हिकल) में टक्कर मार दी जिससे उसमें सवार पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मृतकों में तीन महिलाएं, एक बच्चा और एक पुरुष शामिल है।सिंह ने बताया कि झारखंड के रहने वाले ये लोग एसयूवी से वाराणसी से अयोध्या जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि इस हादसे के एक घंटे बाद तीर्थयात्रियों से भरी एक ह्यडबल डेकरह्ल बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई जिससे बस में सवार तीन लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में बस चालक, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। उसने बताया कि इस हादसे में बस सवार 27 यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को बदलापुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दिल्ली के रहने वाले ये लोग चित्रकूट से प्रयागराज होकर वाराणसी दर्शन के बाद बस से अयोध्या जा रहे थे। बदलापुर की क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और प्रशासन सबके समुचित इलाज का प्रबंध कर रहा है।

विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के उम्मीदवार

नई दिल्ली। रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता को दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का उम्मीदवार नामित किया गया है। पार्टी नेताओं ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गुप्ता ने पार्टी द्वारा उन्हें विधानसभा के अध्यक्ष पक्ष के लिए नामित किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा, मैं सबसे पहले उन कैग (भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक) रिपोर्ट को सदन में पेश करूंगा, जिन्हें पिछली आप (आम आदमी पार्टी) सरकार ने लंबित रखा था। रोहिणी से तीसरी बार विधायक चुने गए सिंह ने अन्य भाजपा विधायकों के साथ मिलकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था और आरोप लगाया था कि पूर्ववर्ती आप सरकार अपने प्रदर्शन पर कैग की 14 रिपोर्ट को विधानसभा में पेश किए जाने से रोक रही है। नवगठित आठवीं दिल्ली विधानसभा में भाजपा के 48 विधायक हैं, जबकि विपक्षी आप के 22 विधायक हैं।

मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति को

-ललित गर्ग

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी 2025

मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपराओं, जीवनमूल्यों और इतिहास को संजोने का एक सशक्त साधन है। यह समाज, संस्कृति एवं राष्ट्र के लिए पहचान का महत्वपूर्ण साधन होती है। शोध बताते हैं कि बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर अधिक अच्छी तरह से समझ विकसित करते हैं, वहीं आमजन के लिये संवाद एवं व्यवहार का प्रभावी माध्यम भी यही है। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यूनेस्को ने मातृभाषा के महत्व को समझते हुए मातृभाषा के संरक्षण और बहुभाषी शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 1999 में की और 2000 से इसकी शुरूआत की। इस वर्ष 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए, इसकी थीम ह्वभाषा का महत्वः अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोहह्व है, जो 2030 तक अधिक समावेशी और टिकाऊ विश्व के निर्माण के लिए भाषाई विविधता पर प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित करेगा। भाषाई विविधता को बढ़ावा देने, लुप्तप्राय भाषाओं की रक्षा करने और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को प्रदर्शित करने पर जोर दे रहा है। तकनीकी विकास और इंटरनेट के सुरक्षित विस्तार के साथ, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि स्थानीय और मातृभाषाओं को डिजिटल माध्यमों में कैसे संरक्षित किया जाए। यह दिवस हमें भाषाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। फिर भी, बहुभाषी शिक्षा में प्रगति हो रही है, इसके महत्व की समझ बढ़ रही है, खासकर प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में, और सार्वजनिक जीवन में इसके विकास के लिए अधिक प्रतिबद्धता है।

मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन भारत में समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947 में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

विश्व में विगत 40 वर्षों में लगभग डेढ़ सौ से अधिक अध्ययनों के निष्कर्ष हैं कि मातृभाषा में ही शिक्षा होनी चाहिए, क्योंकि बालक को माता के गर्भ से ही मातृभाषा के संस्कार प्राप्त होते हैं। भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है।

मातृभाषा को प्रोत्साहन देकर ही भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देना होगा। मातृभाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में भी हिन्दी ने देश को एकजुट करने में सशक्त भूमिका का निर्वहन किया। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक मातृ भाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। 85 संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के तीन हजार विशेषज्ञों के पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे आफ इंडिया (पीएलएसआई) के अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों के दौरान 780 विभिन्न बोलियां वाले देश की 250 भाषाएं लुप्त हो चुकी हैं। इनमें से 22 अधिसूचित भाषाएं हैं।

जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 122 भाषाएं हैं। बाकी 10 हजार से कम लोगों द्वारा बोली जाती है। आयरिश भाषाई विद्वान जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के बाद पहली बार 1898-1928 के बीच भाषाई सर्वे किया गया है। आजाद भारत में पहली बार किए गए इस पहले सर्वे में चार वर्ष लगे। इस रिपोर्ट के अनुसार भाषाई विविधता की दृष्टि से भारत में अरुणाचल प्रदेश सबसे समृद्ध राज्य है, जहाँ 90 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है, जहाँ 50 से अधिक भाषाएँ बोली जाती हैं। 47 भाषाओं के साथ ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके विपरीत गोवा में सिर्फ तीन भाषाएं बोली जाती है तो दादर और नगर हवेली में एक भाषा गोरपा है, जिसका अब तक कोई रिकार्ड नहीं है। करीब 400 से अधिक भाषाएं आदिवासी और घुमंतु व गैर-अधिसूचित जनजातियाँ बोलती हैं। हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसकी उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। हिन्दी सभी भाषाओं की बड़ी बहन है इसका यह अर्थ नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं को तुच्छ मानें। संस्कृत मातृभाषा है और सभी भ्रातृभाषाएं हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, ह्वविदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रट्टू बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है। इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि मैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए मातृभाषा में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना जरूरत या मजबूरी

अशोक भाटिया

दिल्ली के मुख्यमंत्री को लेकर हो रहे राजनीतिक शोर-शराबे पर अब पूर्णविराम लग गया जब भाजपा की रेखा गुप्ता ने दिल्ली का मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करली । चुनाव नतीजों के बाद से ही रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाये जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं, जिसपर अब मुहर लग गई है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आखिर रेखा गुप्ता के सीवी में ऐसा क्या था कि भाजपा ने पहली बार की विधायक पर भरोसा जताया है। भारतीय जनता पार्टी इससे पहले भी कई राज्यों में मुख्यमंत्री के तौर पर नये चेहरे को लॉन्च कर चौंकाती रही है। जिसका उदाहरण, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा है। भाजपा जिस भी नेता को मुख्यमंत्री बनाती है, ये जरूर देखती है कि उन पर करप्शन का दाग नहीं हो। दिल्ली में मुख्यमंत्री का चुनाव करते हुए भी इस बात का ध्यान रखा गया है। भाजपा उन नेताओं को आगे कर रही है, जिनमें पद का लालच न हो और जो जनता के बीच रहकर काम कर सकें। इससे नीचे के कार्यकताओं में सकारात्मक संदेश जाता है। अक्सर यह देखा गया है कि जिन नेताओं का आरएसएस और संगठन पर पकड़ रहता है, उन्हें भाजपा में जरूर मौका मिलता है। रेखा गुप्ता भी आरएसएस की सक्रिय सदस्य रह चुकी हैं। वह कॉलेज टाइम से आरएसएस से जुड़ी हुई हैं, जिस वजह से वह भाजपा की पहली पसंद बनकर उभरीं। भाजपा की 21 राज्यों में सरकार है, लेकिन कहीं भी महिला मुख्यमंत्री नहीं है। नये मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही रेखा गुप्ता वर्तमान में भाजपा की पहली महिला मुख्यमंत्री बन जाएंगी। शालीमार बाग सीट परप्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी रेखा गुप्ता के लिए प्रचार किया था। इसी से संकेत मिल रहे हैं कि फ्ऱर चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद के लिए रेखा गुप्ता को चुन चुका था।

बताया जाता है भाजपा की ओर से रेखा गुप्ता के नाम पर मुहर लगने के पीछे एक वजह ये भी है कि वह वैश्य समाज से आती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी इसी समुदाय से आते हैं। यह समुदाय भाजपा का कोर वोटर माना जाता है और प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी कई भाषणों इसका जिक्र कर चुके हैं। रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा अब महिला मुख्यमंत्रियों की विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली ने कई महिला मुख्यमंत्री देखी हैं, जिनमें कांग्रेस की शीला दीक्षित का 15 साल का शासन भी शामिल है। दिल्ली में आप की आतिशी और भाजपा की सुषमा स्वराज भी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। कालकाजी से विधायक आतिशी भी पांच महीने तक कुर्सी पर रहीं। सितंबर 2024 में केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली थी। वैसे मुख्यमंत्री पद की रेस में अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा से लेकर दिल्ली के अनुभवी नेता विजेंद्र गुप्ता जैसे कई दिग्गजों के नाम चल रहे थे। बावजूद इसके पार्टी ने रेखा गुप्ता पर दांव लगाया है। भाजपा 13 राज्यों में सत्ता में है लेकिन अब तक पार्टी की कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। हालांकि पहले भाजपा की ओर से कई राज्यों में महिला मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

बताया जाता है कि रेखा गुप्ता को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनाने का फैसला भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का एक मास्टरस्ट्रोक है। इसके अनेक आयाम हैं। यह एक तीर के कई निशाने की तरह हैं। भाजपा की पॉलिटिक्स केवल दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस को चौतरफा घेरने तक सीमित नहीं है बल्कि आने वाले समय में इस फैसले का असर बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल चुनाव तक पड़ने वाला भी माना जा रहा है। 27 साल बाद भाजपा दिल्ली में सत्ता में लौटी है तो पार्टी ने बड़ी बिसात बिछाई है। भाजपा अपने उस मिशन को पूरा करना चाहती है, जिसे उनसे सन 1998 में अधूरा छोड़ा था। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाए जाने के पीछे कई वजहें हैं। मुख्यतौर पर पहली वजह महिला कार्ड है। एक महिला मुख्यमंत्री की सत्ता से विदाई के बीच भाजपा ने एक अन्य महिला को ही दिल्ली संभालने का मौका दिया है। दिल्ली के चुनाव में महिला वोटर्स को लेकर भाजपा और आप में काफी होड़ दिखी थी। भाजपा ने रखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर अरविंद केजरीवाल को भी राजनीतिक रूप से बड़ा जवाब दिया है, जिन्होंने चुनाव में जीत मिलने पर आतिशी को हटाकर खुद मुख्यमंत्री बनने का ऐलान किया था।

रेखा गुप्ता दिल्ली की 8वीं मुख्यमंत्री हैं। अंतरिम सरकार के दो मुख्यमंत्री को जोड़ लें तो वह 10वीं मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली में इससे पहले आतिशी, अरविंद केजरीवाल, शीला दीक्षित, सुषमा स्वराज, साहिब सिंह वर्मा, मदनलाल खुराना, गुरमुख निहाल सिंह और ब्रह्म प्रकाश को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। आखिरी बार जब सन 1998 में दिल्ली में भाजपा की सरकार थी, तब भी यहां सुषमा स्वराज के तौर पर महिला मुख्यमंत्री थीं। अब पार्टी ने लंबे वनवास के बाद एक बार फिर से दिल्ली की कमान महिला को सौंपा है तो इसका संकेत साफ है। भाजपा को साल 1993 से 1998 तक पांच साल के दौरान ही तीन मुख्यमंत्री बनाने पड़े थे। पहले मदनलाल खुराना और साहिब सिंह वर्मा के बाद भाजपा ने दिल्ली की सत्ता सुषमा स्वराज को सौंपी। तब भाजपा का दिल्ली में मिशन अधूरा रह गया था। बार बार मुख्यमंत्री बदलने पर भाजपा को आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था।अब 27 साल बाद भाजपा को दिल्ली में सरकार बनाने का मौका मिला है।

दरअसल भाजपा की जीत होती है तो मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इसे 'आप' की ओर से बड़ा मुद्दा बनाया गया था। अरविंद केजरीवाल ने बार-बार भाजपा को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के नाम की घोषणा करने की चुनौती दी थी। 'आप' ने इसे अपने कैंपेन का हिस्सा बनाते हुए पूछना शुरू कर दिया कि 'भाजपा का दूल्हा' कौन है? पार्टी ने एक अनोखा तरीका अपनाते हुए दिल्ली में कई जगह बैंड-बाजे के साथ खाली घोड़ा भी घुमाया। भाजपा ने बार-बार एक ही जवाब दिया कि सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा और मुख्यमंत्री पद की घोषणा चुनाव बाद विधायक दल की बैठक में होगी।बैठक भी हो गई और दूल्हा भी चुना गया और दूल्हा घोड़े पर भी बैठ गया । अब खिसयानी बिल्ली खंबा नोचे वाली स्थिति हो गई हैं । पूर्व मुख्यमंत्री आतशी आगे बढ़ कर दुल्हे का स्वागत कर रही है । अब 2025 में इतिहास एक बार फिर से खुद को दोहराता दिख रहा है। सत्ता का हस्तांतरण आम आदमी पार्टी की पूर्व महिला मुख्यमंत्री आतिशी से भाजपा की रेखा गुप्ता के पास हो रहा है। दिल्ली में एक महिला की सत्ता को दूसरी महिला के हाथों सौंपे जाने की ये कहानी वाकई संयोग से कम नहीं।

इस प्रकार रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने दिल्ली ही नहीं बल्कि बिहार और पश्चिम बंगाल तक निशाना साधा है। दिल्ली में करीब 7 फीसदी वैश्य वोट है। रेखा गुप्ता वैश्य समुदाय से आती हैं। दिल्ली में बनिया होने के नाते भी अरविंद केजरीवाल के प्रति वैश्य वोट का झुकाव रहा है। अब रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने से तस्वीर बदल सकती है। इसके अलावा एक खास संयोग यह भी देखें कि बनिया समुदाय से आने वाली रेखा गुप्ता का संबंध भी हरियाणा से है तो उन्हीं के समाज से आने वाले अरविंद केजरीवाल भी हरियाणा से ताल्लुक रखते हैं। यानी किसी भी मोर्चे पर भाजपा ने मैदान को खाली नहीं छोड़ा है। आम आदमी पार्टी फिलहाल इस राजनीति में बहुत पीछे रह गई है। भाजपा सभी मोर्चे पर आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को उन्हीं की भाषा और रणनीति में घेरने और शिकस्त देने की कोशिश कर रही है।

आपको बता दें कि रेखा गुप्ता शालीमार बाग से पहली बार भाजपा की विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी की नेता वंदना कुमारी को शिकस्त दी थीं। दिल्ली में भाजपा के साथ लंबे समय से जुड़ी रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की सक्रिय छात्र राजनीति का हिस्सा रही हैं। एबीवीपी की सचिव रह चुकी हैं। इसके अलावा पार्षद रहीं और पार्टी के महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष भी। यानी दिल्ली की वास्तविक जरूरतों को रेखा गुप्ता भी बिजेंद्र गुप्ता और डॉ। हर्षवर्धन जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं की तरह भली-भांति जानती और समझती हैं। उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर उतर जमीनी लड़ाइयां लड़ी हैं। ऐसे में उन्हें दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाने से पार्टी को जो कई लाभ मिलेंगे, उनमें सबसे पहला तो यही होगा कि राजधानी में भाजपा का जनाधार पहले से और भी मजबूत होगा। पार्टी दूरगामी विजन को साध सकेगी।

दिल्ली की राजनीति में हार-जीत के लिए जितना दलित और मुस्लिम का मुद्दा प्रमुख रहा है, उतना ही महिला मुद्दा भी। बस में फ्री यात्रा या मोहल्ला क्लिनिक जैसी योजनाओं से दिल्ली में आम आदमी पार्टी शुरू से ही महिलाओं के वोट बैंक को साधती रही है। इस बार के चुनाव में आप ने सभी महिलाओं को 2100 रुपये प्रतिमाह देने का ऐलान किया तो भाजपा ने भी उसकी काट निकाली और महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा किया। इसी क्रम में कांग्रेस ने भी महिलाओं को लुभाने की भरपूर कोशिश की। इसका नतीजा मतदान प्रतिशत पर भी दिखा। 70 विधानसभा सीटों में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं ने 0.72 फीसदी ज्यादा मतदान किया। चुनाव आयोग के आंकड़े के मुताबिक महिलाओं ने कुल 60.92 फीसदी जबकि पुरुषों ने 60.20 फीसदी वोट किये। चूंकि महिलाओं ने वोटिंग में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तो महिला मुख्यमंत्री के फैसले को महिलाओं के हक नई सौगात भी कह सकते हैं।

दिल्ली में तकरीबन 46 फीसदी महिला मतदाता हैं। भाजपा को प्रचार अभियान के दौरान ग्राउंड जीरो पर यह फीड बैक मिला कि महिलाओं की एक बड़ी तादाद अब भी आम आदमी पार्टी की तरफ है। हालांकि नतीजों से यह बात सामने आई कि जिन 40 सीटों पर महिलाओं का वोटिंग फीसदी ज्यादा रहा, उनमें से 29 सीटों पर भाजपा को जीत मिली, इसके बावजूद भाजपा ने महिला चेहरा को ही बतौर मुख्यमंत्री सामने रखा है। भाजपा पर अक्सर यह आरोप लगते रहे हैं कि महिला चेहरा को मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं मौका दिया जाता या फिर उसकी सत्ता बदल दी जाती है। मध्य प्रदेश में उमा भारती का मसला हो या दिल्ली में सुषमा स्वराज का। यहां तक कि राजस्थान में भी वसुंधरा राजे सिंधिया को इस बार सत्ता से दूर रखा गया और दीया कुमारी को डिप्टी मुख्यमंत्री पद तक सीमित रखा गया। इस तरह दिल्ली में महिला को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने इन हमलों से खुद को फिलहाल बचा लिया है। देश में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद दूसरी महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ही होंगी।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

-रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है। भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्ण यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

3 सांसद ओर 6 विधायक जिला बैंक को केडर अधिकारी दिलाने में बेबस ओर लाचार क्यों?

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

नर्मदापुरम जिला सहकारी बैंक दो जिलों के लाखों किसानों का समितियों के माध्यम से खादबीज का ऋण बाटने में पिछले 2 सालों से असफल है ओर मजबूरी में किसानों को फिर से सूदखोरों ओर अन्य कर्जों पर निर्भर होने से समितियों के कारोबार ठप्प होने से सहकारिता का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है जिसका कारण अपेक्स बैंक द्वारा पूर्णकालिक मुख्यकार्यपालन अधिकारी की पदस्थी नही कर विदिशा में वर्ष 2005 से संविलियन से पदस्थ बैंक कर्मचारी को पुनः केडर का दर्जा देकर नर्मदापुरम बैंक का अतिरिक्त प्रभार देना ओर उनका एक साल में 25-30 दिन भी अपनी उपस्थिती दर्ज न कराकर जिला सहकारी बैंक नर्मदापुरम के कार्यों को लंबित रख बैंक में ताला लगवाने की स्थिति हो गई है परंतु इन दोनो जिलों में बीजेपी के 2 सांसद एक राज्यसभा सांसद ओर 6 विधायक है जो किसानों के हितों को नजरअंदाज कर इस मामले में बेवश ओर लाचार बने हुये है।

मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री ओर सहकारिता मंत्री सहित सांसद ओर विधायकों के दावे है की नर्मदापुरम विश्व में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है ओर यह दुनिया भर के बड़े उधयोगपति अपना कारोबार शुरू करने जा रहे है किन्तु सहकारिता के मामले में यह जिला फिससड्डी साबित हो रहा है ओर जनप्रतिनिधि समझ नहीं पा रहे है कि जिला किस दिशा में प्रगति कर रहा है ओर प्रगति कि दशा एसी है तो क्या यह प्रगति ठीक है? जब से जिला सहकारी बैंक में विदिशा के महाप्रबंधक विनयप्रकाशसिंह को प्रभारी का अतिरिक्त भार दिया है, वे सप्ताह में मंगलवार ओर गुरुवार को उपस्थित होते है, एक साल बीत चुका है ओर उनकी उपस्थिती एक साल में मुश्किल से 25-30 दिन ही रही है, परिणाम स्वरूप किसानों के काम नही हो रहे है, किसी भी शाखा में खातेदार को 5 हजार से ज्यादा रुपए देने कि स्थिति नहीं होने से बैंक के सारे काम ठप्प पड़े है, बैंक प्रशासक कलेक्टर सोनिया मीना को अन्य कामो से फुर्सत न होने से बैंक आगे चलेगी यह कहना मुश्किल है।

नर्मदापुरम के लोकसभा सांसद दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमति माया नारोलिया हरदा-बेतुल सांसद दुगार्दास ऊईके तथा जिले के विधायक डॉ, सीताशरण शर्मा, विजय पाल,ठाकुरदास नागवंशी, प्रेमशंकर वर्मा एवं हरदा विधायक आरके दोगने व टिमरनी विधायक अभिजीत शाह की केंद्र व प्रदेश में सरकार होने के बाद भी क्या कारण है की ये सभी विधायकों की कमजोरी के कारण यह बैंक रेंगने को विवश होकर असुरक्षित हो गई ओर ये बेचारे कर्मठ-लगनशील सांसद- विधायक मिलकर इस जिला बैंक को पूर्णकालिक केडर अधिकारी नही दिला पा रहे है, जिससे जिला सहकारी बैंक में ताला लगने का हालात पैदा हो गए है। पूर्व में इस बैंक कि प्रगति का ढिंढोरा पीटने वाले ये ही विधायक वर्ष 2009 में बैंक में जिस केडर अधिकारी को अपेक्स बैंक ने 36 करोड़ रुपए कि कर्जमाफी के कारण निलंबित कर उसकी सेवाए समाप्त कर दी उसी आर के दुबे ने अपने ही हस्ताक्षर से जिला बैंक के सीईओ के पद पर खुद के नियुक्ति पत्र जारी कर नियमविरुद्ध काम किया। हरदा शाखा में 2 करोड़ 77 लाख कि सिलक गायब होने पर जिस आर के दुबे को आरोपी बनाकर पुलिस ने जेल में डाला उसी अधिकारी को फिर से बैंक में पदस्थ किया जबकि तब तक उसपर रीवा बैंक में पदस्थी के दरम्यान 25 करोड़ रुपए के गवन धोखाधड़ी का निर्णय वर्ष 2021 में आ गया तब उक्त राशि उससे वसूले बिना इसी सरकार के उन विधायकों ने जो विधानसभा में उसे जेल भेजने ओर हटाने को लेकर सेकड़ों प्रश्न लगाते रहे वे ही मंत्री बनते उसपर मेहरवान हुये ओर अपेक्स बैंक ने सेवा समाप्ती के 12 साल बाद बिना किसी न्यायालय के आदेश के उक्त को अपेक्स बैंक के केडर अधिकारी का दर्जा ही नहीं दिया अपितु उसकी वरिष्ठता भी बरकरार रख उसे नर्मदापुरम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के गृहनगर उज्जैन में पदस्थ कर उसके द्वारा किए 400 करोड़ के घोटालों को भुला दिया गया।

आर के दुबे कि तर्ज पर 2005 में विदिशा में विनयप्रकाश सिंह का संविलियन हुआ जिसे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का संरक्षण प्राप्त होने से वह अब तक वही पदस्थ है ओर उसे नर्मदापुरम का अतिरिक्त सीईओ का प्रभार देने के बाद पिछले एक साल से वह दशहरे का नीलकंठ बना गायब है, परिणाम स्वरूप बैंक कर्मचारियो ओर दूसरे अधिकारियों के भ्रष्टाचार की जननी बन गई तथा भ्रष्टाचारी कर्मचारी जांच के बाद दोषी पाये जाने पर निलंबन के बाद वही पदस्थ है जहा के भ्रष्टाचार के लिए उसे निलंबित किया यह सब प्रभारी एमडी विनयप्रकाश सिंह के संरक्षण में हो रहा है। पुरानी इटारसी कि समितियों सहित सोहागपुर पिपरिया बनखेड़ी शाखाओं कि समितिओ में किसानों के साथ छ्ल कपट ,ओर बेईमानी करने वाले समिति प्रबन्धक के खिलाफ कलेक्टर के एफआईआर आदेश के बाबजुद एमडी विनयप्रकाश सिंह सोहागपुर शाखा करनपुर समिति के प्रबन्धक रोहित ऊईके से पिछले वर्ष जुलाई माह गलत आदेश कराकर दोषी सहायक प्रबन्धक संजय किरार ओर माधव रघुवंशी को निलंबन के बाद भी वही नौकरी करवा रहा है जिसकी जानकारी विधायको सहित कलेक्टर को है पर सभी एमडी विनयप्रकाश के सामने बौने साबित हो रहे है।

जिला बैंक की ओर सांसद विधायक ओर कलेक्टर की उपेक्षा का ही परिणाम है इस वर्ष सरकार के गेहूं खरीदी के पंजीयन हेतु किसानों के आधार कार्ड में दर्ज बैंक के खाते के कालम में जिला सहकारी बैंक के विकल्प को समाप्त कर दिया ओर सभी राष्ट्रीयकृत बैंको के नाम जुडने से अरबों रुपए जिला बैंक के खातों में आने से उसके व्याज आदि का लाभ होता वह संशोधन या डिलीट कर जिला बैंक के नाम न रखे जाने की स्थिति में पूरे प्रदेश की जिला बैंको को एक रुपए का फायदा न होकर करोड़ो का नुकसान होने से बैंके ताला लगने की नौबत बनने जा रही है। अगर सरकारी बेबसाइट पर यह सब हो रहा है तो निश्चित रूप से बड़े स्तर पर सरकारी निर्णय ही माना जा सकता है, अगर त्रुटिवश है तो प्रदेश सरकार को सहकारी बैंको, समितिओ ओर किसानों के हित में सुधारने की आवश्यकता है । निश्चित ही नर्मदापुरम के सांसद, विधायक अपने जिले की सहकारी बैंक के अस्तित्व को बनाए रखने हेतु तत्काल अपेक्स बैंक के किसी ईमानदार पूर्णकालिक केडर अधिकारी की नियुक्ति कराकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकते है, अन्यथा की स्थिति में ये कभी क्षम्य नही होंगे।

स्टेलमेक लिमिटेड ने 175 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई। मुंबई स्थित स्टेलमेक लिमिटेड, जो भारत में इलेक्ट्रिकल पॉवर प्रोडक्ट्स के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से एक विश्वसनीय नाम है और विभिन्न स्टेटेड ओंड वाली तथा प्राइवेट पॉवर यूटिलिटीज का विश्वसनीय पार्टनर रहा है, ने अबक्कस फोर2एट ऑपर्च्युनिटीज फंड के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम से 175 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस ट्रांजेक्शन को हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड ने अैहम भूमिका निभाई, जिन्होंने इस डील को स्ट्रक्चर और एक्सीक्यूट किया। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड ने इस फंडराइज के लिए एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर की भूमिका निभाई और इस डील को अच्छे से एक्सीक्यूट किया। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड के गौरव जैन और प्रतीक जैन ने कहा, ₹हमें इस ऐतिहासिक डील में स्टेलमेक के एडवाइजर होने और फंडरेसिंग प्रोसेस को सहज बनने पर गर्व है। यह निवेश कंपनी की ग्रोथ को बढ़ावा देगा, और हमें स्टेलमेक और अबक्कस फोर2एट ऑपर्च्युनिटीज फंड को एक साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की खुशी है। जुटाई गई धनराशि का उपयोग स्टेलमेक के एक्सपेंशन प्लांस को तेज करने, आर एंड डी कैपेबिलिटीज को बढ़ाने और डोमेस्टिक तथा इंटरनेशनल स्तर पर अपनी बाजार उपस्थिति को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। स्टेलमेक लिमिटेड के एमडी, हम्जा अरसीवाला ने कहा, ₹हमें अबक्कस फोर2एट ऑपर्च्युनिटीज फंड को पार्टनर के रूप में पाकर बहुत खुशी हो रही है। यह निवेश हमारी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। यह हमें और बेहतर इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस प्रदान करने के हमारे मिशन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में सक्षम बनाएगा। हम इस पार्टनरशिप का लाभ उठाकर विकास को गति देने और हमारे स्टेकहोल्डर्स को बेहतर वैल्यू प्रदान कर सकेंगे। यह निवेश हमारे बिजनेस की मजबूती को दर्शाता है और हेम सिक्योरिटीज के स्ट्रेटेजिक के इंगेजमेंट के साथ, हम इस डील को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम हुए हैं।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स अपने 20वें संस्करण के लिए तैयार

मुंबई। भारतीय रंगमंच के प्रतिष्ठित पुरस्कार और फेस्टिवल महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स (मेटा) 13 से 20 मार्च 2025 तक लौट रहे हैं। महिंद्रा ग्रुप द्वारा स्थापित इस पुरस्कार समारोह के 13 श्रेणियों के लिए नामांकित शीर्ष 10 नाटकों की घोषणा की गई है। ये नाटक नई दिल्ली में प्रस्तुत किए जाएंगे और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ इस फेस्टिवल का भव्य समापन होगा। विजेताओं को 20 मार्च 2025 को कमानी ऑडिटोरियम में रंगमंच की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। बेहतरीन नाटकों के लिए मशहूर मेटा में अब तक पौराणिक कथाओं, लिंग, पहचान, विद्रोह, दमन, अधिनायकवाद, व्यक्तिगत संघर्षों और रोमांच जैसे विषयों पर नाटक शामिल रहे हैं। अपने 20वें संस्करण में भी नामांकित नाटक सीमाओं को तोड़ते हुए विविध दृष्टिकोणों और कहानियों का सम्मिश्रण प्रस्तुत कर रहे हैं। 2025 संस्करण के लिए इस फेस्टिवल में भारत के 20 राज्यों से 367 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां भी शामिल हैं। इस बार शॉर्टलिस्ट किए गए नाटक मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से हैं। हमेशा की तरह, फेस्टिवल ने समावेशिता और विविधता को अपनाया है, इस बार 32 भारतीय भाषाओं और बोलियों में प्रस्तुतियां आई हैं। अंतिम 10 नामांकनों में हिंदी, मलयालम, बांग्ला, कन्नड़, संस्कृत, बुंदेली और अंग्रेजी में नाटक शामिल हैं। मेटा 2025 के बारे में बात करते हुए, जय शाह, उपाध्यक्ष, प्रमुख, सांस्कृतिक आउटरीच, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, ने कहा, ह्लपिछले दो दशकों से मेटा को संवारना महिंद्रा समूह और भारत के रंगमंच समुदाय दोनों के लिए अत्यंत संतोषजनक रहा है। यह हमारे मूल्यों को प्रदर्शित करने का एक मंच रहा है, और इस कला रूप पर इसके सकारात्मक प्रभाव को देखना हमारे लिए हर्ष का विषय रहा है। यह जानकर वास्तव में संतोष होता है कि मेटा हमारे देश में रंगमंच के कलाकारों के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय स्तर की पहचान है। पूरे भारत से प्राप्त 350 से अधिक प्रविष्टियों में से चयनित 10 नामांकित नाटकों की अंतिम सूची भारतीय रंगमंच की उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती है, और हमें अगले महीने दिल्ली में इन्हें प्रस्तुत करने की उत्सुकता है। मेटा सचिवालय के सहयोग से चयन समिति ने प्रतियोगिता के लिए प्रस्तुत किए गए सभी 367 नाटकों की गहन समीक्षा की। इस वर्ष, प्रतिष्ठित समिति में शामिल थेः कुलजीत सिंह, भारतीय फिल्म और रंगमंच अभिनेता, निर्देशक, और एटेलियर थिएटर के संस्थापक/क्रिएटिव डायरेक्टर; दिव्या सेठ शाह, फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री; दिलीप शंकर, प्रसिद्ध भारतीय रंगमंच और फिल्म कास्टिंग निर्देशक; शंकर वेंकटेश्वरन, सम्मानित भारतीय रंगमंच निर्देशक; और अनुरूपा रॉय, प्रमुख भारतीय कठपुतली कलाकार, कठपुतली डिजाइनर और कठपुतली रंगमंच की निर्देशक। टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजॉय के रॉय ने कहा, मेटा देश भर में मौजूद असाधारण प्रतिभाओं का उत्सव मनाने वाला प्रमुख रंगमंच पुरस्कार और फेस्टिवल है। इसके 20वें वर्ष में हम उन विविध विषयों, शैलियों, भाषाओं और भौगोलिक क्षेत्रों को देखकर गर्व महसूस कर रहे हैं, जो इस मंच से उजागर हुए हैं। यह विविधता ही हमें हर साल नई ऊर्जा देती है।

डाबर ओडोमोस द्वारा जागरूकता सत्र का आयोजन

मुंबई। शहर को मच्छर जनित बीमारियों से अधिक प्रभावी ढंग से लड़ने में मदद करने के अपने मिशन पर आगे बढ़ते हुए, भारत के सबसे पसंदीदा व्यक्तिगत अनुप्रयोग मच्छर भगाने वाले ब्रांड ओडोमोस ने मच्छर से होने वाले बिमारियो से प्रभावी रोकथाम के बारे में जागरूकता सत्र आयोजित किया। इस पहल के तहत, ओडोमोस सीधे लोगों तक पहुंचेगा और उन्हें डेंगू और मलेरिया के हानिकारक प्रभावों और खुद को बचाने के तरीके के बारे में शिक्षित करेगा, इसके अलावा उन्हें मुफ्त ओडोमोस मच्छर भगाने वाली क्रीम भी प्रदान करेगा।

डाबर ने शहर में अभियान शुरू किया, जहां 300 से अधिक बच्चों के साथ एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत, डाबर ओडोमोस सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे बस टर्मिनल, रेलवे स्टेशनों पर डेंगू से प्रभावी बचाव के बारे में जागरूकता सत्र भी आयोजित करेगा।

डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हेड- होम केयर, श्री वैभव राठी ने कहा एक ब्रांड के रूप में, ओडोमोस लोगों को डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों से सुरक्षित रहने में मदद करने की दिशा में काम कर रहा है। इसे आगे बढ़ाते हुए, हमने डेंगू की रोकथाम पर सार्वजनिक जागरूकता बनाने में मदद करने के लिए यह सामाजिक पहल की है क्योंकि हाल के महीनों में डेंगू के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। समय की मांग है कि निवारक उपायों के बारे में जागरूकता फैलाई जाए और एक अनुशासित समुदाय को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि लोग डेंगू से खुद को सुरक्षित रख सकें। इस अभियान के तहत, हम डेंगू और मलेरिया के बारे में जागरूकता फैलाएंगे और बताएंगे कि कोई इससे खुद को कैसे बचा सकता है। डाबर इंडिया लिमिटेड, डीजीएम मार्केटिंग-होम केयर, श्री संतोष जायसवाल ने कहा, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से बचने के लिए रोकथाम महत्वपूर्ण है, निवारक उपायों के बारे में जागरूकता फैलाना ताकि लोग वेक्टर जनित बीमारियों से खुद को सुरक्षित रख सकें, सबसे सुरक्षित शर्त है। भारत को डेंगू मुक्त अभियान बनाना उसी दिशा में एक पहल है।

कल्याण में आधी रात को गोलीबारी, एक की मौत

जमीनी विवाद के चलते मारी गई गोली-आरोपी गिरफ्तार

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के नाना पावशे चौक लवकुश अपार्टमेंट में बुधवार की देर रात करीब बारह बजे गोलीबारी की घटना घटी, जिसमें रंजीत दुबे नामक व्यक्ति की मौत हो गई। इस हत्या के पीछे उत्तर प्रदेश में जमीनी विवाद बताया जा रहा है।

कोलसेवाड़ी पुलिस के मुताबिक आरोपी राम सागर दुबे को महज 5 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया है । हत्या के पीछे का क्या मकसद है पूरे मामले की जांच जारी है।

बतादें की मृतक और हत्यारा दोनो चचेरे भाई है पुलिस जांच में सामने आया है कि जमीनी विवाद के चलते आरोपी राम सागर दुबे ने मृतक रंजीत दुबे पर गोली मारी और उसकी हत्या कर दी । घटना के तुरंत बाद कोलसेवाड़ी पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी रामसागर दुबे को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में मृतक रंजीत दुबे की बहन पूनम की शिकायत पर पुलिस ने हत्या समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश जौनपुर में दोनो परिवार का जमीन को लेकर विवाद चल रहा था जमीनी विवाद को लेकर ही राम सागर दुबे ने अपने चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी है । पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है पूरे मामले की जांच चल रही है ।

65 अवैध इमारत मामले के बाद भी अवैध बांधकामों का रजिस्ट्रेशन जारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ठाकरे गुट के कल्याण जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने एक बार फिर इस मामले में बड़ा खुलासा किया है। 65 बेकायदा इमारत प्रकरण ताजा होते हुए भी, रजिस्ट्रेशन कार्यालय में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध निर्माण में बने घरों का रजिस्ट्रेशन जारी रहने का उन्होंने आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, इन इमारतों में से ₹साई गैलेक्सी₹ नाम की इमारत के एक घर का रजिस्ट्रेशन भी आदेश के बाद हुआ, ऐसा चौंकाने वाला खुलासा उन्होंने किया। आज भी हजारों नागरिकों के साथ धोखाधड़ी जारी है, इस बारे में संबंधित दस्तावेज उन्होंने पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे को सौंपे हैं। दस्तावेज बनाने वालों सहित इस घोटाले में शामिल विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, उन पर मामले दर्ज किए जाएं और उन्हें जेल में डाला जाए, ऐसी मांग भी उन्होंने की है।

विधायक संजय उपाध्याय का चित्रसेन सिंह ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में सर्वाधिक मतों से विजई होने वाले बोरीवली विधानसभा के बीजेपी विधायक संजय उपाध्याय का आज उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था तरुण कला संगम के अध्यक्ष उद्योगपति चित्रसेन सिंह ने उनका सम्मान किया। चित्रसेन ने कहा कि संजय उपाध्याय उच्च शिक्षित होने के साथ साथ जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं। इनकी जीत से भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ उत्तर भारतीय समाज का गौरव बढ़ा है। संजय उपाध्याय ने सम्मान के लिए चित्रसेन सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे पार्टी के साथ-साथ मतदाताओं की अपेक्षाओं पर शत प्रतिशत खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे तथा बोरीवली विधानसभा को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

पुनर्वास के बिना मकान खाली करने के नोटिस

रेलवे प्रशासन का मनमाना कारभार पुनर्वास करें, फिर कार्रवाई करें - संजय दीना पाटिल

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विद्याविहार पूर्व में मध्य रेलवे की जमीन पर चार से पांच दशकों से अधिक समय से रह रहे लगभग 350 परिवारों को रेलवे प्रशासन ने घर खाली करने का नोटिस जारी किया हैं। इस नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि 23 फरवरी तक मकान खाली नहीं किए गए तो उन्हें ध्वस्त कर दिया जाएगा। परीक्षाओं के इस मौसम में जब बारहवीं और दसवीं कक्षा की परीक्षा शुरू है, तब ऐसी कार्रवाई करना अमानवीय है और उन्हें पुनर्वासित किए बिना घर खाली करने के लिए दबाव डालना महाराष्ट्र सरकार की नीति के अनुसार गलत है। एक तरह से यह इन निवासियों के साथ अन्याय है। उत्तर पूर्व मुंबई महाविकास आघाड़ी के सांसद संजय दीना पाटिल ने रेलवे प्रशासन को एक पत्र देकर कहा है कि पहले उनका पुनर्वास करें, फिर कार्रवाई करें। उन्होंने चेतावनी भी दी है कि पुनर्वास से पहले कोई कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने देर रात स्थानीय निवासियों से मुलाकात की और उनके साथ इस विषय पर चर्चा की।

बता दें कि विद्याविहार स्टेशन पूर्व में रेलवे की जमीन पर शास्त्री नगर, जवाहर नगर, शिवकृपा सोसायटी, मोहन नगर और बंजारा बस्ती की बस्तियों में करीब 350 परिवार पिछले चार दशक से रह रहे हैं। प्रभावित निवासियों ने पूर्व रेल मंत्री पीयूष गोयल सहित विभिन्न अधिकारियों के समक्ष कई बार यह मुद्दा उठाया है। पूर्व रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे ने भी मध्य रेलवे के अधिकारियों से इस मामले पर चर्चा की थी। इसके बावजूद रेलवे विभाग ने पिछले दिनों उन्हें नोटिस जारी कर घर खाली करने को कहा। उन्हें चेतावनी दी गई है कि अन्यथा उनके मकान ध्वस्त कर दिए जाएंगे। संजय दीना पाटिल ने देर रात इन स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की और उनसे चर्चा की। उनकी बातें सुनीं। महाराष्ट्र सरकार की नीति के अनुसार, 2011 से पहले सरकारी जमीन पर रहने वाले झुग्गीवासियों को वैकल्पिक आवास और कानूनी सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि संबंधित रेलवे अधिकारी इस नीति के अनुसार काम करें। उत्तर पूर्व मुंबई महाविकास अघाड़ी के सांसद संजय दीना पाटिल ने कहा कि पुनर्वास के बिना इन परिवारों को बेदखल करना अन्याय है और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने इस संबंध में रेलवे विभाग को एक पत्र दिया है, जिसमें मांग की गई है कि इन निवासियों का पुनर्वास पहले किया जाए और उसके बाद मकान ही तोड़े जाएं।

जिला परिषद कार्यालय में मनी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला मुख्यालय अंतर्गत स्थित पालघर जिला परिषद कार्यालय में बुधवार 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। इस मौके पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया तथा सभी उपस्थित जनों को शिवजयंती की शुभकामनाएं दीं। शिवाजी शहाजी भोसले (19 फरवरी 1630 - 3 अप्रैल 1680) छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम से प्रसिद्ध एक भारतीय शासक और मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। उन्होंने विजापुर को फतह कर स्वतः का स्वतंत्र राज्य का निर्माण कर मराठा साम्राज्य की स्थापना की। इ. स.1674 में रायगढ़ किले में औपचारिक रूप से छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक किया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मदिन शिवजयन्ती के रूप में मनाई जाती है। ऐसे महापुरुष की जयंती पालघर जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई। इस दौरान जिला पशु एलसंवर्धन अधिकारी डॉ.प्रकाश हसनालकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर शिक्षा अधिकारी (योजना) शेषराव वड़े, कार्यकारी अभियंता जल आपूर्ति राजेश पाध्ये, सहायक आरोग्य अधिकारी डॉ.शशिकांत सालुंखे, जिला कृषि अधिकारी के अलावा जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एमआईडीसी पुलिस थाने में अत्याधुनिक तर्ज पर में नए कमरों का निर्माण होगा : मुरजी पटेल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कानून व्यवस्था को चुस्त' चौकस बनाने के लिए पुलिस स्टेशनों को अत्याधुनिक तर्ज पर बनाना होगा। पुलिस चौबीसों घंटे नागरिकों की सेवा में उपलब्ध रहते हुए अपना कर्तव्य निभाती है। इसके लिए आवश्यक है कि पुलिस स्टेशन अच्छी तरह से सुसज्जित हों, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके काम में कोई बाधा न आए और नागरिकों को बेहतर सेवा मिले'; उक्त बातें अंधेरी पूर्व विधानसभा के विधायक मुरजी पटेल ने एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में अत्याधुनिक आरामदायक नए कमरों के निर्माण कार्य का उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने इस मौके पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 'हमने एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में को अधिक व्यवस्थित और आरामदायक बनाने के लिए नए कमरों का निर्माण कार्य शुरू किया है। एक आधुनिक और सुव्यवस्थित पुलिस स्टेशन का मतलब है - पुलिस के लिए बेहतर कार्यस्थल और नागरिकों के लिए तीव्र एवं अधिक पारदर्शी सेवाएं। यह सिर्फ इमारत में बदलाव नहीं है, बल्कि कानून व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है'। इस अवसर पर जोन १० के पुलिस उपायुक्त, अंधेरी विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त और एमआईडीसी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक उपस्थित थे। विधायक मुरजी पटेल ने कहा कि 'यह महायुति राज्य सरकार की १०० दिवसीय कार्ययोजना का एक चरण है। यह सुरक्षित, व्यवस्थित और सक्षम प्रशासन की दिशा में हमारा एक और कदम है।

जनेप प्राधिकरण वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड ने एनएमडीसी समूह पीजेएससी के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पत्तन जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण ने वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के निर्माण के लिए मंगलवार 18 फरवरी 2025 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी (नेशनल मरीन ड्रेजिंग कंपनी पीजेएससी) के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करता है। इस साहचर्य द्वारा भारत के पत्तन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और वाढवण पत्तन को भविष्य में वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनों में से एक में बदलने के लिए जनेप प्राधिकरण की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया है। इसका आदान-प्रदान जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से और यासिर जघलौल ने किया। समझौता ज्ञापन के अनुसार एनएमडीसी समूह पीजेएससी ने वाढवण पत्तन के तलकर्षण, भूमि-उद्धार और तट संरक्षण द्वारा वाढवण तट के भूमि अपतटीय के विकास के लिए अनुमानित 21,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव किया है। समझौता ज्ञापन के माध्यम से एनएमडीसी समूह पीजेएससी भारत के समुद्री विकास के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन कर रहा है। एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी, अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में अपने मुख्य कार्यालय के साथ पूरे मध्य पूर्व और दुनिया के अन्य देश में काम करता है। यह अभियांत्रिकी, समुद्री भूमि-उद्धार, न्यूनतम संभव मूल्य पर खरीद (प्रोक्योरमेंट) और निर्माण क्षेत्रों में एक प्रसिद्ध नाम है। समझौता ज्ञापन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने कहा कि जनेप प्राधिकरण और एनएमडीसी ग्रुप पीजेएससी के बीच समझौता ज्ञापन वाढवण पत्तन को विश्व स्तरीय समुद्री केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सहयोग भारत की सबसे महत्वाकांक्षी पत्तन परियोजनाओं में से एक के लिए वैश्विक विशेषज्ञता लाता है, जिससे इसका रणनीतिक और सतत विकास सुनिश्चित होता है। निर्धारित समय से पहले प्रगति के साथ हम बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने और भविष्य की व्यापार मांगों को पूरा करने के लिए भारत की पत्तन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इससे पहले केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन व जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल तथा केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर की उपस्थिति में वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के लिए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये। उक्त आशय की जानकारी उक्त आशय की जानकारी जनेप की वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन) अंबिका सिंह द्वारा मीडियाकर्मियों को साझा की गई है।

मेघा इंजीनियरिंग ने याचिकाकर्ता रवि प्रकाश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया

मुंबई। रवि प्रकाश ने मुंबई उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर मेघा इंजीनियरिंग को दिए गए ठाणे बोरीवली सुरंग परियोजना के टेंडर के संबंध में एमएमआरडीए द्वारा स्वीकार की गई बैक गारंटी को चुनौती दी।इसके खिलाफ, एमईआईएल ने एक याचिका दायर कर जनहित याचिका को रद्द करने और ऐसे आरोप लगाने के लिए रवि प्रकाश के खिलाफ न्यायालय अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग की। सुनवाई की तारीख तय होने के बाद एक ट्वीट में प्रकाश ने पूछा, ₹क्या न्यायपालिका सेलिब्रिटी और अवैध धन के जाल के बीच अपनी ईमानदारी बनाए रखेगी ? , जबकि उच्च न्यायालय उनकी जनहित याचिका पर विचार-विमर्श होने वाला था।अपनी याचिका में एमईआईएल ने कहा है कि टीवी 9 में धन के गबन के संबंध में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण के समक्ष उनके और रवि प्रकाश के बीच लंबित मामले के बारे में अदालत को सूचित नहीं किया है। यह भी दावा किया गया है कि जनहित याचिका में रवि प्रकाश और उनके मीडिया आउटलेट्स द्वारा प्रकाशित मानहानिकारक सामग्री से संबंधित अन्य सिविल और आपराधिक मामलों का उल्लेख नहीं किया गया है। मेघा ने यह भी आरोप लगाया कि यह याचिका अनुचित मंशा से दायर की गई थी, ताकि कंपनी द्वारा कई अदालती आदेश प्राप्त करने के प्रयासों को विफल किया जा सके।

मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और श्रीमती भारती डांगरे की पीठ द्वारा गुरुवार को सुनवाई की गई। इससे पहले कि रवि प्रकाश की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रशांत भूषण ने बहस शुरू की, प्रतिवादी एमएमआरडीए की ओर से भारत के सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता और मेघा की ओर से भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल श्री मुकुल रोहतगी ने जनहित याचिका दायर करने के आधार पर कड़ी आपत्ति जताई और याचिकाकर्ता की स्थिति पर सवाल उठाया। दोनों ने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता ने अपने कार्यों से अदालत की अवमानना की है।

सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि एमएमआरडीए इस संबंध में पारदर्शी तरीके से आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। लेकिन याचिकाकर्ता द्वारा न्यायपालिका के खिलाफ लगाए गए कथित आरोपों की प्रकृति को देखते हुए, अवमानना की कार्यवाही शुरू की जानी चाहिए और इस एकमात्र आधार पर जनहित याचिका को खारिज कर दिया जाना चाहिए। इसके बाद अदालत ने प्रशांत भूषण से अपना बयान लिखित में देने को कहा और अगली सुनवाई 5 मार्च के लिए तय कर दी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दो सड़क हादसों में 9 श्रद्धालुओं की मौत

बदलापुर में हुई सड़क दुर्घटना में दो दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दो अलग-अलग सड़क हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि कई श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वही पुलिस ने सभी के शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। घटना की जानकारी होते ही मौके पर डीएम व एसपी भी पहुंच गए। बता दे कि गुरुवार की भोर में बदलापुर थाना क्षेत्र के सरखोंनपुर पास हाइवे किनारे डबल डेकर बस और एक ट्रक में जोरदार टक्कर हो गई। जिसके चलते चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। वही दूसरी घटना टाटा सूमो गाड़ी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। सूमो में सवार लोग झारखंड के रहने वाले हैं। वें सभी श्रद्धालु प्रयागराज से स्नान कर की काशी गए थे वहीं काशी से अयोध्या जा रहे थे। आधे घंटे बाद घटनास्थल से सौ मीटर दूर श्रद्धालुओं से भरी बस हाइवे पर खड़े चावल लदे ट्रक में पीछे से भिड़ गई। इस हादसे में बस चालक और दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। लगभग 40 लोग घायल हो गए। दोनों सड़क हादसे में कुल 9 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 3 पुरुष, 5 महिला व एक सात का बच्चा शामिल हैं। पुलिस में मृतको के परिवार को सूचना दे दी हैं। मृतकों का नाम भगवानसिंह पुत्र स्वर्ग राम जी मणिपुर, पंजाबी बाग दिल्ली। अनीता पत्नी बसंत लाल मणिपुरी

पश्चिमी दिल्ली, शकुंतला पत्नी इंद्र कुमार, मणिपुर पंजाबी बाग दिल्ली, दिनेश पुत्र बसंत लाल मणिपुर पंजाबी बाग दिल्ली, सुशीला पत्नी नाथूराम वलितम नगर, भिवानी हरियाणा, बिहान पुत्र भोला सिंह, निवासी अज्ञात घायलों का नाम तारा देवी पत्नी रामलाल निवासी माडीपुर नई दिल्ली, रंजीत पत्नी नरेश निवासी अलीगढ़ पश्चिम विहार, दिल्ली मीना पत्नी सुरेश चंद, मणिपुर पश्चिमी न्यू दिल्ली, डीके दुबे पुत्र पी के दुबे मादीपुर न्यू दिल्ली माडीपुर, मायावती पत्नी हरि प्रकाश दिल्ली निवासी जेजे कॉलोनी नई दिल्ली, कविता पत्नी आनंद मंडिपुर दिल्ली, सरोज पत्नी खेम चंद मंडिपुर पंजाबी बाग न्यू दिल्लीपंजाबी तारा देवी पत्नी रामलाल निवासी माडीपुर नई दिल्ली, रंजीत पत्नी नरेश निवासी अलीगढ़ पश्चिम विहार, दिल्ली मीना पत्नी सुरेश चंद, मणिपुर पश्चिमी न्यू दिल्ली, डीके दुबे पुत्र पी के दुबे मादीपुर न्यू दिल्ली माडीपुर, मायावती पत्नी हरि प्रकाश दिल्ली निवासी जेजे कॉलोनी नई दिल्ली, कविता पत्नी आनंद मंडिपुर पंजाबी बाग दिल्ली, सरोज पत्नी खेम चंद करोल बाग भावनगर न्यू दिल्ली, सुभाष पुत्र हनुमान प्रसाद मंडिपुर पंजाबी बाग प्रसाद नगर न्यू दिल्ली, गीतांजलि पत्नी संजय कुमार पंजाबी बाग न्यू दिल्ली, आशीष पुत्र संजय रोहनी नगर न्यू दिल्ली, लक्ष्मी पत्नी सुभाष जय कॉलोनी न्यू दिल्ली, भगवान सिंह पुत्र राम जी पंजाबी बाग न्यू दिल्ली, अनीता पुत्री वसंतलाल पश्चिम पुरी नई दिल्ली, शकुंतला पत्नी इंद्रेश कुमार पंजाबी बाग बाग न्यू दिल्ली, दिनेश पुत्र बसंतलाल पंजाबी बाग न्यू दिल्ली, बहुत सुशीला पत्नी नाथूराम उत्तम नगर भवानी हरियाणा, बेचन पुत्र भूमि सिंह पता अज्ञात

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की हुई महत्वपूर्व बैठक

आगामी महाधिवेशन पर हुई चर्चा, सर्वसम्मति से पत्रकार मो.हाशिम (हारून) को बनाया गया संगठन का सदस्य

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि. जौनपुर इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आज जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। 1- होने वाले आगामी महाधिवेशन पर चर्चा 2- महाधिवेशन को सफल बनाने पर चर्चा 3-नए सदस्यों को जोड़ने पर चर्चा 4- पत्रकारों पर होने वाले हमले व फर्जी मुकदमे पर चर्चा हुई, जिला प्रभारी शशिकांत मौर्या की अध्यक्षता में हुई,बैठक में सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में आने वाले समय में सदस्यों को जोड़ने के लिए विस्तृत चर्चा हुई।जिसमें अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों से निवेदन किया कि आप सभी को मेहनत करके सभी तहसीलों में जाकर नए सदस्य नियुक्त करने की भरपूर कोशिश करना होगा ।इस मौके पर मो. हाशिम (हारून) को संगठन में सदस्य के रूप में जोड़ा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू, जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, इम्तियाज अहमद, इजहार हुसैन, अमित तिवारी विधिक सलाहकार, जिला महासचिव, रियाजुल हक, अनवर हुसैन, मनीष श्रीवास्तव, राहुल गुप्ता जिला संगठन मंत्री कलीम अहमद, जिला सचिव असलम खान, आबिश इमाम सनी,जिला आई टी सेल प्रभारी मो.अल्ताफ, मो. हाशिम (हारून) आदि मौजूद रहे।

पारदर्शिता के लिए बनी है आरटीआई: डॉ.राहुल सिंह

पीयू में आरटीआई व जनहित गारंटी अधिनियम पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 एवं जनहित गारंटी अधिनियम 2011 पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को हुआ। कार्यशाला का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से किया गया। इसमें आरटीआई ऑनलाइन उत्तर प्रदेश के टीम हेड डॉ. राहुल सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि ने आरटीआई अधिनियम 2005 एवं जनहित गारंटी अधिनियम 2011 की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम नागरिकों को सरकारी विभागों से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देता है।जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जनहित गारंटी अधिनियम 2011 के तहत नागरिकों को सरकारी सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने प्रतिभागियों को इन कानूनों का सही ढंग से उपयोग करने

के तरीके बताए और कहा कि आरटीआई कैसे भ्रष्टाचार को रोकने में सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि सूचना का मुख्य मकसद पारदर्शिता था। सूचना ऑब्जेक्ट के रूप में है। सूचना वही मिलेगी जो भौतिक रूप में हो या उनके ऑफिस के रिकॉर्ड में हो। 250 देश में सूचना के अधिकार को लागू किया गया है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि इसका उपयोग सकारात्मक होना चाहिए। इसके दुरुपयोग से संबंधित व्यक्ति और दफ्तरों की परेशानियां बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आज आरटीआई की वजह से हर अधिकारी पारदर्शिता से काम कर रहा हैं। छात्र कल्याण प्रो. अजय द्विवेदी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज आरटीआई की वजह से दफ्तरों की कार्यशैली में पारदर्शिता आई है। सूचनाओं को प्राप्त करने का यह अचूक हथियार है। कार्यक्रम का संचालन उद्देश्य सिंह ने किया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव महेंद्र कुमार, प्रो.अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. राजकुमार, प्रो. प्रमोद कुमार यादव. डॉ.रसिकेश, डॉ.नृपेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ.आलोक गुप्ता ,डॉ.पर्मेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. आलोक दास, डॉ.प्रियंका सिंह आदि मौजूद थीं।

बजट प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम: पुष्पराज सिंह

प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा बजट: आमोद सिंह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के बजट पर खुशी व्यक्त करते हुये कहा कि यह प्रदेश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह बजट वर्ष पिछले बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है।जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है। योगी सरकार के इस मेगा बजट में अवस्थापना विकास के लिए 22 प्रतिशत, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए 4 प्रतिशत एवं संसाधन आवंटित किये गये हैं। बजट में पूँजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है। प्रदेश में बुनियादी ढांचे और इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित किया है। इसमें सड़क निर्माण, औद्योगिक विस्तार, परिवहन व्यवस्था और निवेश को आकर्षित करने जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक

विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेस शुरू करने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा प्रदेश में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बजट में प्रस्तावित हैं। उत्तर प्रदेश को तकनीकी हब बनाने के लिए योगी सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। इसमें 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी' की स्थापना की जाएगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बजट को अंत्योदय बजट कि संज्ञा देते हुये कहा कि यह प्रदेश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए बजट है उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार ने विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें साइंस सिटी, विज्ञान पार्क और नक्षत्रशालाओं की स्थापना और पुराने संस्थानों के नवीनीकरण की कार्ययोजना शामिल है। छात्रों के लिए आधुनिक वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 58 नगर निकायों को 'आदर्श स्मार्ट नगर निकाय' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक नगर निकाय को 2.50 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी।इन शहरों में आधुनिक सुविधाएँ, तकनीकी नवाचार और स्वच्छता प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी जिला मुख्यालयों में श्रमिक अड्डे बनाए जाएंगे। इनमें कैंटीन, पीने का पानी, स्नानागार और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी यह बजट राज्य के विकास, तकनीकी उन्नति, शिक्षा सुधार, गरीबों के कल्याण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश आधुनिकता, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है।

यूपी बोर्ड में बनाये गये 218 परीक्षा केन्द्र, रहेगी सख्त व्यवस्था

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में यूपी बोर्ड द्वारा संचालित हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा के संबंध में बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि परीक्षा 24 फरवरी से प्रारम्भ होकर 12 मार्च के मध्य में दो पालियों में (प्रथम पाली समय-प्रातः 8:30 बजे से 11.45 बजे तक, द्वितीय पाली सायं 2.00 बजे से 5.15 बजे तक) की अवधि में होगी। कक्षा-10 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 74938, कक्षा-12 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 80164, वर्ष 2025 में परीक्षार्थियों की संख्या 155102 है। कुल 218 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसके लिए जोनल मजिस्ट्रेट 06, सेक्टर मजिस्ट्रेट 23 एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट 218 तैनात किये गये हैं। परीक्षार्थी के संदर्भ में किसी व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से या किसी भी रूप में अनधिकृत सहायता लेना या किसी प्रकार के अनधिकृत गैजेट या का उपयोग करना, परीक्षार्थी के अलावा अन्य व्यक्ति के संदर्भ में अनधिकृत रूप से प्रश्न पत्र के प्रकटन या प्रकटन का प्रयास, किसी सार्वजनिक परीक्षा में किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी तरीके से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करना या सहायता करने का प्रयास करना, और परीक्षार्थी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए कंप्यूटर नेटवर्क या संसाधन या प्रणाली के साथ छेड़छाड़ करना या करने का प्रयास करना इस अधिनियम के दायरे में आयेगा। यदि परीक्षा के संचालन में अपने कर्तव्यों के आधार पर प्राधिकृत व्यक्ति परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी को प्रश्न पत्र खोलने और वितरित करने के लिए नियत समय से पूर्व प्रश्नपत्र को खोलेगा या कोई व्यक्ति न्यस्त कार्य के आधार पर ज्ञात कोई जानकारी किसी को देगा तो संबंधित व्यक्ति को 10 वर्ष तक कारावास और 5 लाख तक जुमार्ने का प्राविधान है। पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने बताया कि विभाग के द्वारा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बल की व्यवस्था, बाह्य नकल की रोकथाम के लिए सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी थानाध्यक्ष की पेट्रोलिंग होगी। अपर जिलाधिकारी भू0 राजस्व अजय अम्बष्ट,नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह व अन्य उपस्थित रहे।

वाराणसी नगर निगम ने लाँच किया एप

अब स्मार्ट काशी एप से घर बैठे जमा कर सकेंगे हाउस टैक्स

डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के नगरवासी स्मार्ट काशी एप के

जरिये अब घर बैठे हाउस टैक्स जमा कर सकते हैं। नगर निगम ने लोगों की सुविधा के लिए एप लांच किया है। इससे 29 तरह की सुविधाओं को जोड़ा गया है। एप के माध्यम से जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ ही लाइसेंस के लिए भी इसके माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। नगर निगम के स्मार्ट काशी एप को मोबाइल के प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके जरिये लोग घर बैठे नगर निगम की सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया कि इस एप के जरिये शहरवासी 29 प्रकार की सुविधाएं प्राप्त कर सकते हैं। इस पर सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश, सड़क निर्माण आदि की फोटो डालकर अपनी शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया जाएगा। एप की मानीटरिंग स्मार्ट सिटी कार्यालय से की जाएगी। शिकायतें संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी। इनका 7 से 10 दिनों के अंदर निस्तारण किया जायेगा।

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, दो बाइक सवार घायल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थानाक्षेत्र के बाबतपुर-वाराणसी मार्ग पर काजी सराय बाजार कट के पास मंगलवार रात एक कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, शिवपुर थानाक्षेत्र के मीरापुर बसहीं गांव निवासी अशोक कुमार और उनके मित्र अशोक कुमार गोड़ अपनी स्प्लेंडर बाइक से सड़क पार करने के लिए काजी सराय कट के पास खड़े थे। इसी दौरान हरहुआ की ओर से तेज रफ्तार में आ रही अर्टिगा कार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने घायलों को सातो महुआ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायल अशोक कुमार के पुत्र चंद्रशेखर ने बुधवार देर शाम अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाइक से गिरकर महिला घायल, हालत गंभीर

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पति के साथ बाइक पर सवार हो कर बाजार करने आ रही महिला गिर कर बुरी तरह घायल हो गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर क्षेत्र के छताईकला निवासी मिथलेश यादव अपने 30 वर्षीय पत्नी नेहा यादव के साथ बाइक पर सवार हो कर शाहगंज किसी काम से आ रहा था कि रस्ते में बड़ेगांव के पास बाइक असंतुलित हो गई। जिससे नेहा यादव बाइक से गिर गई और वहां बुरी तरह घायल हो गई ।किसी तरह आनन फानन में उसका पति मिथलेश यादव उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बदलापुर पुलिस ने 3 आरोपियों को मारपीट में प्रयुक्त लाठी के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर के मार्गदर्शन में थाना बदलापुर पुलिस टीम

द्वारा 03 आरोपी 1.संजय उपाध्याय पुत्र स्व0 शीतला प्रसाद उपाध्याय 2. राज उपाध्याय पुत्र संजय उपाध्याय 3.सुनीता पत्नी संजय उपाध्याय निवासीगण गजहरमऊ थाना बदलापुर जनपद जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0सं0-78/25 धारा- 109(1), 89, 115(2), 351(2), 333 बीएनएस थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को उनके घर से गिरफ्तार किया गया तथा अभि0 संजय उपरोक्त की निशानदेही पर मारपीट में प्रयुक्त लाठी को गेहू के खेत से बरामद किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय जौनपुर के समक्ष प्रेषित किया गया।

बयालसी पीजी कॉलेज में शोक सभा आयोजित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बयालसी पी. जी. कॉलेज जलालपुर जौनपुर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। इस सभा का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के शिक्षक संघ के अध्यक्ष राहुल सिंह जी के पूज्य पिताजी के दुखद निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने

हेतु किया गया। सभा की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य ने शोक व्यक्त किया और कहा कि स्वर्गीय आत्मा के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने अपने संबोधन में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में वक्ताओं ने शोक संदेश व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षति अपूरणीय है और परिवार के इस दुख में पूरा शिक्षण समुदाय उनके साथ खड़ा है। कॉलेज परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस दुखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आगजनी में मड़हा जलकर हुआ खाक, पीड़ित की तहरीर पर 9 नामजद और दो अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बेलासिन के निवासी पीड़ित लाल साहब यादव के रिहायशी छप्पर में आग लगने से छप्पर में सो रही महिला झुलस गई और गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया है। मामले में पुलिस ने 9नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालसाहब यादव ने अपने पड़ोसी अमर सिंह, कमल सिंह व कुंवर सिंह, उधम सिंह व करन सिंह अमित राजेश व भास्कर, चंद्र प्रकाश व दो अज्ञात के पर पुरानी रंजिश को लेकर रात्रि लगभग 11 बजे रिहायशी मड़हे में आग लगाने का आरोप पुलिस को दी गई तहरीर में लगाया है। उक्त का कहना है कि उसी मड़हे में एक तरफ पशु बाधा था और दूसरी तरफ उनके माता पिता रिहायशी सामान के पास चारपाई पर सोये हुए थे। अचानक विपक्षी आग लगने से रिहायशी छप्पर में रखा सामान जलकर राख हो गया और मेरी मां भी जल गई इसकी सूचना कोतवाली मछली शहर में लिखित प्रार्थना पत्र के जरिए दिया है। थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह ने बताया कि मामले में 9नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हाथी के दांत हो गए पंचायत भवन में बने मिनी सचिवालय

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर ब्लॉक के 92 ग्राम सभा में बने पंचायत भवन जो अब मिनी सचिवालय बन गए है। मिनी सचिवालय में जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ अन्य प्रमाणपत्र मिलने की बात कही जा रही थी। सरकार की पहल पर प्रत्येक ग्राम सभा पंचायत में ब्लॉक मुख्यालय द्वारा कंप्यूटर प्रिंटर भी उपलब्ध कराया गया था। किंतु यदि सही तरीके से जांच किया जाय तो पूरे ब्लॉक के मिनी सचिवालय हाथी के दांत साबित हो रहे है। कही पर ग्राम प्रधान तो कही पर ग्राम सचिव कंप्यूटर और प्रिंटर घर उठाकर लेकर चले गए है। किसी महीने में किसी भी तरह की बैठक मिनी सचिवालय में नही होती। हा यदि किसी अधिकारी के अपने गांव में निरीक्षण की जानकारी होती है तो सेक्रेटरी, प्रधान, ग्राम सचिव द्वारा तुरंत कंप्यूटर, प्रिंटर पंचायत भवन में उपलब्ध कराकर मिनी सचिवालय का स्वरूप दे दिया जाता है। मछलीशहर ब्लॉक के रामपुर सवाई ग्राम सभा का पंचायत भवन 200304 में लगभग पांच लाख की लागत से दो तीन कमरा सहित आगे हाल का निर्माण कराया गया। बनने के बाद अभी तक अन्य निर्माण के नाम पर लाखों रुपए खर्च हो गए होगे। पंचायत भवन का दो कमरे में में ताला लगा रहता है जबकि एक कमरे का दरवाजा ही गायब है। इसी तरह छाछों गांव में बने लाखों की लागत मिनी सचिवालय में भी कोई कार्य नहीं हो रहा है। न किसी तरह की बैठक।

ग्रामीणों के अनुसार अधिकारी कर्मचारी के साथ ग्राम प्रधान भी योजनाओं के धरातल पर उतरने का दिखावा कर रहे है। क्या बोले जिम्मेदार बीडीओ सचिन कुमार भारतीय ने कहा सभी प्रधान, सेक्रेटरी, सचिव को ग्राम पंचायत भवन को से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है। यदि किसी ग्राम सभा में मिनी सचिवालय में बैठक के साथ अन्य कार्य नहीं हो रहे है तो उसकी जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

बरसठी पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अभियान अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित/ वारण्टियों तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकार मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण एवं दिशाझनिर्देशन मे व प्रभारी निरीक्षक बरसठी के नेतृत्व मे उ0नि0 ताड़केश्वरनाथ दूबे मय हमराह के थाने से प्रस्थान कर मु0अ0सं0-22/25 धारा-137(2),87 बी0एन0एस0 की विवेचना करते हुए अभियोग उपरोक्त के सम्बन्धित नामजद अभियुक्त शमशाद अली पुत्र लियाकत अली निवासी ग्राम आलमगंज थाना बरसठी जनपद जौनपुर की तलाश में आलमगंज बाजार में मामूर था कि मुखबीर खास की सूचना पर अभियुक्त शमशाद अली उपरोक्त को कूसा पुल के पास से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

अपराधी के घर 82 की नोटिस किया चस्पा

बरसठी, (उत्तरशक्ति)। बरसठी पुलिस ने बताया कि अभियुक्त कटहरी बनवासी पुत्र असरफी बनवासी निवासी बघनरी थाना बरसठी जनपद जौनपुर के ऊपर धारा , गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा पंजीकृत है। जिसमे कटहरी बनवासी पुत्र असरफी बनवासी की खोजबीन कि गई मगर वह अभी तक नहीं मिला जिससे न्यायालय के आदेश पर बरसठी पहुंच कर आरोपी के घर पर तलाश करते हुए 82 का नोटिस चस्पा किया है।

भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी वसई विरार जिला कार्यालय पर सक्रिय सदस्य एनओएनएडी पंजीकरण अभियान शुरू किया गया। अभियान की शुरुआत आज नालासोपारा विधानसभा विधायक राजन नाइक, वसई विधानसभा विधायक स्नेहाताई दुबे पंडित, वरिष्ठ नेता जोगेंद्र प्रसाद चौबे, सक्रिय सदस्यों के आवेदन जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल को सौंपकर की गई। इस बार वसई तालुका में लगभग 1,60,292 प्राथमिक सदस्य ऑनलाइन हो गए हैं। लगभग 3,000 सक्रिय सदस्यों का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान का मार्गदर्शन ठाणे मंडल के संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे ने किया। इस अवसर पर जिला महासचिव और मंडल अध्यक्ष ,कल्पेश मत्रे, प्रज्ञा पाटील भी उपस्थित थे।

गोरखनगरी में होगा आध्यात्मिक फिल्मों का महोत्सव

गोरखपुर। गोरखनगरी में अगले माह तीन दिनों तक धर्म व अध्यात्म को समर्पित आध्यात्मिक फिल्मों के महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इसमें दुनिया भर की फिल्मों में से चयन कर 50 लघु व फीचर फिल्में दिखाई जाएंगी। देश का पहला धार्मिक व आध्यात्मिक फिल्म महोत्सव का आयोजन 20 मार्च से 22 मार्च तक योगिराज बाबा गंभीर नाथ प्रेक्षागृह में होगा। प्रदेश के पर्यटन विभाग की ओर से होने वाले कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी मुंबई की संस्था इंडियन इंफोटेनमेंट मीडिया कार्पोरेशन (आइआइएमसी) को दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार फिल्म महोत्सव के प्रदर्शन के लिए दुनिया भर से फिल्में आमंत्रित की गई हैं। इसकी अंतिम तिथि दो मार्च तक है। अब तक 100 से अधिक फिल्मों के आवेदन मिल चुके हैं। अब उसकी स्क्रीनिंग की जा रही है। बताया जा रहा है कि आए हुए आवेदन पर पांच मार्च तक फिल्मों का चयन कर लिया जाएगा जिसे फिल्म महोत्सव में दिखाया जाएगा। पहले दिन 20 मार्च को किसी मशहूर फिल्म विभूति की मौजूदगी रहेगी। महोत्सव के दूसरे दिन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रसिद्ध निर्माता व निर्देशक को आमंत्रित किया जाएगा। इस पर अभी मंथन चल रहा है। हालांकि शेखर कपूर व विकास बहल जैसे फिल्मकारों से बात चल रही है। कार्यशाला में युवाओं को अभिनय की बारीकियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। महोत्सव के तीसरे व अंतिम दिन 22 मार्च को पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित करने के लिए समय लिया जा रहा है। समय मिलने के अनुसार कार्यक्रम के समय में बदलाव होने की भी संभावना जताई जा रही है।

महाकुंभ में आई महिला की गला रेतकर हत्या

झूंसी (उत्तरशक्ति)। झूंसी के आजाद नगर केवट बस्ती स्थित लॉज में बुधवार रात 35 वर्षीय युवती की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव बाथरूम में पड़ा मिला। युवती 40 वर्षीय युवक के साथ रात में पहुंची थी और दोनों ने भोर में संगम स्नान के लिए जाने की बात कहकर कमरा किराये पर लिया था। युवक गायब है और फिलहाल मुख्य संदिग्ध है। मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी। आजाद नगर में संजय बिंद का लॉज है। यहां उनकी मां धारा देवी व किरायेदार रहते हैं। संजय ने बताया कि बुधवार रात 8:30 बजे के करीब स्वयं जानने वाले पूड़ी-सब्जी विक्रेता सुरेंद्र एक युवक-युवती को लॉज पर लेकर आया। फोन पर उसने बताया कि दोनों खुद को पति-पत्नी बता रहे हैं और उन्हें भोर में संगम स्नान करना है। रात में रुकने के लिए उन्हें कमरा चाहिए। बकौल संजय कुछ घंटों की बात थी ऐसे में उन्होंने 500 रुपये किराये पर एक कमरा दे दिया। लॉज में टॉयलेट व बाथरूम कॉमन है। सुबह 6:30 बजे के करीब मोहन नाम का एक किरायेदार बाथरूम की ओर गया तो उसकी चीख निकल गई। वहां युवती खून से लथपथ मृत पड़ी थी। शोरगुल पर आसपास के लोग व संजय खुद पहुंच गए। इसके बाद झूंसी पुलिस भी आ गई। पुलिस के मुताबिक, मृतका के गले पर गहरा जख्म था। आशंका है कि धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या की गई। पुलिस घंटों जांच पड़ताल में जुटी रही लेकिन मृतका की शिनाख्त नहीं हो पाई। कमरे में कोई सामान भी नहीं मिला। मृतका की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

70 हजार की आबादी को मिलेगी निर्बाध बिजली

अंबेडकरनगर(उत्तरशक्ति)। कोटवा महमदपुर 132 ट्रांसमिशन से भीटी तहसील बिजलीघर तक 97 लाख रुपये की लागत से 35 किलोमीटर की नई बिजली लाइन खींची जाएगी। यह काम होने से 50 से अधिक गांव की 70 हजार आबादी को निर्बाध बिजली आपूर्ति का रास्ता साफ हो जाएगा। जिले की 23 लाख आबादी को 42 बिजली उपकेंद्रों के माध्यम से बिजली की आपूर्ति दी जा रही है। वर्तमान में भीटी तहसील के बिजलीघर को जिला मुख्यालय के बरवा बैरमपुर उपकेंद्र से आपूर्ति दी जा रही है। यह बिजली की लाइन कई दशक पूर्व खींची गई थी, जो समय बीतने के साथ ही जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई है। बीते दो वर्ष से गर्मी के दिनों में इन गांवों में सात से आठ घंटे ही बिजली मिल पाती है। उपभोक्ताओं की इस समस्या को दूर करने के लिए बिजली विभाग ने नई बिजली का लाइन खींचे जाने का निर्णय लिया है। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही एक सप्ताह के भीतर यह कार्य शुरू हो जाएगा। वनगांव, उमरावा, तमोली, तेरिया, अदनपुर, सम्मनपुर, मदारभारी, सझवा, बरियाएं, बेला, महमूदपुर, रामपुर गिरंट, बथुआ, चंदौखा, मच्छपुर, सिगरा, काही, परवारभारी, दुल्लापुर, भीटी समेत 50 से अधिक गांव के ग्रामीणों को गर्मी के दिनों में बिजली की कटौती का दंश नहीं झेलना पड़ेगा। ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्या भी नहीं रहेगी। सुजीत कुमार, दिनेश सिंह, सुबेदार तिवारी, केदारनाथ, राकेश वर्मा, सुरेश प्रजापति समेत अन्य किसानों ने बताया कि बिजली व्यवस्था सुधरने से फसलों की समय पर सिंचाई हो सकेगी। क्षेत्र में बड़ी संख्या में कुटीर उद्योग लगे हैं। ये उद्योग हजारों लोगों की जीविका के साधन हैं। लगातार बिजली की कटौती से उद्योग चलाने के लिए जनरेटर का सहारा लेना पड़ता है। नई लाइन खिंचने के बाद 18 घंटे बिजली की आपूर्ति मिलनी शुरू हो जाएगी। इससे कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

बकाया पैसा मांगने पर फल विक्रेता को मिली धमकी

अम्बेडकरनगर(उत्तरशक्ति)। जहांगीरगंज थानाक्षेत्र के जहांगीरगंज गांव निवासी फल विक्रेता रऊफ को बकाया मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। उन्होंने आजमगढ़ के दो सगे भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। फल विक्रेता ने बताया कि बाजार में नेशनल फ्रूट कंपनी के नाम से उनकी दुकान है। आरोप है कि आजमगढ़ जिले के विलरियागंज थाने के राहुलनगर निवासी सगे भाई संदीप कुमार और प्रदीप कुमार ने विभिन्न तिथियों में 34,30,200 रुपये के फल क्रय किए। इसके सापेक्ष 18,88,322 रुपये का भुगतान किया। शेष बचे 15,41,878 रुपये का भुगतान नहीं कर रहे हैं। पैसा मांगने पर आनाकानी करते हैं। चार फरवरी को दोनों दोबारा उनकी दुकान पर आए और बोले की वह दोबारा उसके साथ व्यापार करना चाहते हैं। जो फल ले जाएंगे, उसका नकद भुगतान करेंगे। जो पैसा बकाया है, उसे हर माह 10 हजार रुपये की किश्तों में भुगतान करते रहेंगे। इसके बाद 2,13,500 रुपये के फल क्रय कर 50 हजार रुपये ही दिए और बाकी ऑनलाइन भुगतान करने की बात कहकर चले गए।

वसई साईनगर ग्राउंड मे मनाया शिव जयंती

वसई रोड। साईनगर पश्चिम मे वसई-विरार शहर नगर निगम द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर गुरुजी गोलवलकर चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से ओम साईं कला मंच के माध्यम से कार्यक्रम महाराष्ट्र की संस्कृति - राजे शिव छत्रपति शिवराज्याभिषेक सोहाला बड़े उत्साह, उमंग और शिवमय वातावरण के साथ साईनगर ग्राउंड मे संपन्न हुआ।

हिन्द स्वराज्य की स्थापना के स्वर्णिम क्षण को फिर से जगाने का प्रयास किया गया। उपस्थित शिवभक्तों ने जयकारा लगाकर पूरे क्षेत्र को शिवमय कर दिया। शिव राय के कौशल, दूरदर्शिता, प्रशासनिक कौशल और जनकल्याणकारी सोच को उजागर करने के लिए आयोजित समारोह में उपस्थित नागरिकों के लिए अविस्मरणीय था। विवेक भाऊ पंडित अध्यक्ष, मंत्री स्तर का दर्जा,,जनजातीय विकास समीक्षा समिति, विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंदार भानुशे उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में वसई विधायक स्नेहा दुबे, विधायक राजन नाइक, विधायक विलास तरे भी मौजूद थे. वसई विरार मनपा आयुक्त अनिल कुमार पवार, अपर आयुक्त संजय हेरवाडे, भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, महिला मोर्चा प्रदेश सचिव अपर्णा पाटील, शिव सेना जिला प्रमुख निलेश तेंडोलकर, राकांपा जिला अध्यक्ष राजाराम मुलिक, आर पी आय जिला अध्यक्ष ईश्वर धुले, मजदूर संघ पालघर जिला अध्यक्ष सुरेश रंगे, अजीत सिंह, बिजेंद्र कुमार, सभी मंडल अध्यक्ष एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस समारोह के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास सफल रहा।

टीकेएम ने लैंड क्रूजर 300 की बुकिंग शुरू की

पटना(उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने लैंड क्रूजर 300 की बुकिंग शुरू करने की घोषणा की। यह प्रतिष्ठा, शक्ति और दमदार क्षमता का प्रतीक है। 70 से अधिक वर्षों की विरासत पर बना, लैंड क्रूजर 300 टोयोटा की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता की परम अभिव्यक्ति है। इसे लक्जरी चाहने वालों और ऑफ-रोड उत्साहियो की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। बेजोड़ विश्वसनीयता, प्रभावशाली उपस्थिति और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मशहूर, लैंड क्रूजर 300 टोयोटा की वैश्विक श्रृंखला की प्रमुख एसयूवी है। नवीनतम संस्करण में एक क्रांतिकारी नया प्लेटफॉर्म, उन्नत पावरट्रेन, अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाएँ और शानदार इंटीरियर शामिल हैं, जो लक्जरी, शक्ति और ऑफ-रोड प्रभुत्व का एक सहज मिश्रण सुनिश्चित करता है। लैंड क्रूजर 300 दो अलग-अलग ग्रेड्स झ जेडएक्स और जीआर-एस में उपलब्ध है। ये एक ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी6 इंजन से संचालित है, जो अपने पूर्ववर्ती की तुलना में बेहतर दक्षता, उच्च टॉर्क आउटपुट और बढ़ी हुई ईंधन अर्थव्यवस्था प्रदान करता है। 10-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन (एटी) के साथ जोड़ा गया, एसयूवी निर्बाध त्वरण और अनुकूलित पावर डिलीवरी प्रदान करता है, जिससे हर ड्राइव एक रोमांचक अनुभव बन जाता है। सबसे कठिन इलाकों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया, टीएनजीए-एफ प्लेटफॉर्म पर एक लैडर-फ्रेम के साथ निर्मित, लैंड क्रूजर 300 को बहुत हल्का बनाता है, फिर भी बहुत फुर्तिला और कठोर है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा,ऱ्लैंड क्रूजर 300 ताकत, परिष्कृतता और ऑफ-रोड कौशल की अंतिम अभिव्यक्ति है। टोयोटा के टीएनजीए-एफ प्लेटफॉर्म पर निर्मित, यह मॉडल एक शक्तिशाली ट्विन-टर्बो वी6 इंजन, अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं और एक शानदार लेकिन मजबूत डिजाइन के साथ बेहतर ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है।

सरकारी भूमि की खोदाई में निकला प्राचीन शिवलिंग

फतेहपुर(उत्तरशक्ति)। यूपी के हापुड़ स्थित थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के गांव रसूलपुर व फतेहपुर के जंगल में सरकारी भूमि की खोदाई के दौरान बृहस्पतिवार को शिवलिंग निकल गया। शिवलिंग निकलने की सूचना पर सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीण यहां एकत्र हो गए। पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों व ग्रामीणों ने गांव रसूलपुर स्थित प्राचीन मंदिर में शिवलिंग को स्थापित कराया।

गांव रसूलपुर निवासी जयकरण व उनके पांच भाइयों के गांव रसूलपुर व फतेहपुर के जंगल में खेत हैं। जबकि उनके खेत के बराबर में सरकारी भूमि भी स्थित है। बृहस्पतिवार को राजेंद्र इस भूमि पर मिट्टी खोद रहा था। उन्होंने बताया कि इस भूमि की खुदाई के दौरान यहां शिवलिंग निकला गया।

शिवलिंग निकले की खबर दोनों गांव में आग की तरह क्षेत्र में फैल गई। सूचना पर दोनों गांव के सैंकड़ों ग्रामीण यहां एकत्र हो गए। जिनमें से किसी इसकी सूचना पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को दी। सूचना पर एडीएम संदीप कुमार, एसडीएम अंकित वर्मा, थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर शिवलिंग को मंदिर में स्थापित कराने की बात कही। जिस पर ग्रामीण सहमत हो गए। अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीण शिवलिंग को गांव रसूलपुर के प्राचीन मंदिर में लेकर पहुंचे। जहां विधि विधान के साथ शिवलिंग को स्थापित कर दिया गया। जिसके बाद श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

एडीएम संदीप कुमार का कहना है कि लोगों की भावनाओं को देखते हुए शिवलिंग को मंदिर में स्थापित कर दिया गया है। हालांकि खोदाई से पहले अधिकारियों या पुलिस को सूचना देनी चाहिए थी। हालांकि ग्रामीणों ने खुद ही शिवलिंग को मंदिर में स्थापित करने का निर्णय ले लिया।

अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर शिवलिंग को मंदिर में स्थापित कराने की बात कही। जिस पर ग्रामीण सहमत हो गए। अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीण शिवलिंग को गांव रसूलपुर के प्राचीन मंदिर में लेकर पहुंचे। जहां विधि विधान के साथ शिवलिंग को स्थापित कर दिया गया।

रियलमी ने रियलमी पी3 प्रो 5जी और पी3एक्स 5जी लॉन्च किया

पटना (उत्तरशक्ति)। रियलमी, जो भारतीय युवाओं का सबसे चहेता स्मार्टफोन ब्रांड है,उसने गर्व से रियलमी पी3 सीरीज 5जी पेश किया है। यह खासतौर से भारत के हिसाब से डिजाइन किया गया है। रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी के साथ यह सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक इनोवेशन पेश करने की अवधारणा का प्रदर्शन करती है। बेहतरीन परफॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और स्टाइल पर केंद्रित रहते हुए ये स्मार्टफोन मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देंगे, जिससे अपने यूजर्स को सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशन पेश करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है। रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी की परफॉर्मेंस को एक नया आयाम देते हुए इसके डिजाइन को भी आकर्षक बनाया गया है, जो उन्हें आज के प्रतिस्पर्धी बाजार में अलग बनाता है। रियलमी टेक्नोलॉजी में अग्रसर होने की प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए, दोनों डिवाइस शानदार कारीगरी, अत्याधुनिक फीचर्स और बेजोड़ मजबूती के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी प्रेमियों की जरूरतों को पूरा करती हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि, हमें रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है, ये दोनों डिवाइस हमारे इनोवेशन और यूजर-केंद्रित डिजाइन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। हम रियलमी पी3 सीरीज 5जी को फ्लिपकार्ट पर लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, यह हमारे ग्राहकों को नए इनोवेशन के साथ-साथ बेहतरीन परफॉर्मेंस देने का वादा करते हैं।

योगी सरकार करेगी गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में मदद

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। गुरुवार को विधानसभा में प्रस्तुत किया गया बजट प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ 06 लाख रुपये है जो वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है। इस बजट में समाज के प्रत्येक वर्ग के समावेशी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने वृद्धजन, किसान, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए बजट आवंटित किया है। बजट में पिछड़े वर्गों के विकास को भी प्राथमिकता दी गई है। पिछड़ा वर्ग पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत 2825 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, पिछड़े वर्ग के निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाने हेतु 35 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित की गई है। इससे प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। योगी सरकार ने समाज के वरिष्ठ नागरिकों और किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को 1000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दे रही है। इस योजना के लिए बजट में 8105 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। इससे प्रदेश के लाखों वृद्धजनों और किसानों को राहत मिलेगी। इसके अलावा, कमजोर वर्ग की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता देने के लिए ऱमुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाऱ को और मजबूती दी गई है, जिसके लिए 550 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति के निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु 100 करोड़ रुपये और सामान्य वर्ग के निर्धन परिवारों की पुत्रियों के विवाह अनुदान योजना के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। इसके अलावा, वृद्ध एवं अशक्त व्यक्तियों के लिए आवासीय गृह संचालित करने हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता प्रदान करने के लिए 60 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विभिन्न वर्गों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं में भारी निवेश किया है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना हेतु 968 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं, सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए इसी योजना के तहत 900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए भी शिक्षा को लेकर सरकार ने प्रतिबद्धता दिखाई है। इनके लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना हेतु 6 करोड़ रुपये की राशि तय की गई है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान ऱपीएम-जनमनऱ के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास किया जाना है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारम्भ प्रधानमंत्री द्वारा 02 अक्टूबर, 2024 को किया गया है। योजना का उद्देश्य देशभर में 63,000 से अधिक जनजातीय बाहुल्य ग्रामों तथा आकांक्षी जनपदों के जनजातीय ग्रामों को 18 विभागों के कार्यक्रमों से संतृप्त किया जाना है। योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के लिए 1424 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं, शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए कृत्रिम श्रवण सहायक यंत्र आदि खरीदने के लिए 35 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसके अलावा, दिव्यांग व्यक्तियों को बीमारी के इलाज हेतु अनुदान योजना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। छोटे बच्चों के विकास को ध्यान में रखते हुए 03 से 07 वर्ष के श्रवणबाधित, मानसिक मंदित तथा दृष्टिबाधित दिव्यांग बच्चों के प्री-स्कूल रेडीनेस के लिए 18 मण्डलीय जनपदों में 'बचपन डे केयर सेंटर्स' का संचालन किया जा रहा है। प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान के लिए इस बजट में 1998 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए 365 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

केतकीपाड़ा के निवासियों को नोटिस का मुद्दा गरमाया

बोरीवली, मुंबई। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान परिसर में विगत 40 वर्षों से रह रहे झोपड़ा धारकों को वन विभाग द्वारा भेजी गई नोटिस को लेकर उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने वन मंत्री गणेश नाईक तथा संचालक व वन संरक्षक योगेश एस. महाजन को पत्र लिखा है और उनका इस गंभीर मामले में ध्यान आकर्षित करते हुए कुछ महत्वपूर्ण सूचनाएं भी उपलब्ध कराईं हैं। अपने पत्र में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने उल्लेख किया है कि केतकीपाड़ा परिसर 1970 के भी पहले से अस्तित्व में है। वर्ष 1976 के झोपडपट्टी सुधार (र'४ अू३) अधिनियमानुसार इस परिसर को अधिकृत झोपडपट्टी के रूप में घोषित किया गया था। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान परिसर के झोपड़ाधारकों के हक के लिए तत्कालीन सांसद और पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने संघर्ष भी किया था। वर्ष 1997 में इस उद्यान के भीतर स्थित बड़े व्यावसायिक बांधकाम तोड़े/ बंद किये गए थे जिसके बाद यहां के झोपडीधारकों को पयार्यी जगह देने का माननीय सर्वोच्च न्यायालया ने आदेश भी पारित किया था। यहां के अनेक झोपड़ाधारकों ने शासन निर्मित पुनर्वसन योजना अंतर्गत 7000 रुपये की रकम भी भरी थी। परंतु आश्चर्जनक रूप से अब तक शासन की ओर से यहां के लोगों के पुनर्वसन के लिए कोई कदम ही नहीं उठाया गया।

जनसेवक गोपाल शेट्टी के अनुसार राष्ट्रपती श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के कार्यकाल में सन 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वन विभाग से जुड़े नियमों में संशोधन करवाया था, जिसमें स्पष्ट उल्लेख है कि पयार्यी जगह उपलब्ध कराए बिना किसी भी वन क्षेत्र के 'पात्र निवासियों' को विस्थापित नहीं किया जा सकता है । इसके बावजूद कुछ आरटीआय

एक्टिविस्ट माननीय न्यायालय में बार- बार याचिका दाखिल कर वन विभाग के निवासियों को मानसिक रूप से परेशान करते चले आ रहे हैं।

जनसेवक शेट्टी के अनुसार प्रशासनिक स्तर पर न्यायालय में वस्तु स्थिति को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत ही नहीं किया गया है, जिससे वन विभाग के निवासियों को अनावश्यक रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जनसेवक शेट्टी के अनुसार जहां हजारों झोपड़ाधारक निवास करते हैं जाहिर है कि उन्हें दैनंदिनी जीवनावश्यक वस्तुओं की जरूरत होगी ही, ऐसे में इसकी आपूर्ति करती वहां की छोटी-छोटी दुकानों को व्यावसायिक उपयोग (उङ्कीऌ' ४री) की निगाह से देखा जाना उचित है या नहीं इसका भी न्यायसंगत विचार करना आवश्यक है।

जनसेवक शेट्टी का कहना है कि जब तक शासन इन झोपड़ाधारकों के पुनर्वसन की योग्य व्यवस्था नहीं करता तब तक केतकीपाड़ा में वन विभाग कोई कठिन कार्रवाई न करे, इस प्रकार से शासकीय और न्यायालयीन लड़ाई में स्पष्ट निर्देश भी है। ऐसे में यहां बारंबार नोटिस भेजकर झोपड़ाधारकों को बेवजह परेशान किया जा रहा है, जो बिल्कुल भी उचित नहीं है।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने दुःख प्रकट करते हुए आगे लिखा है कि भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में पशु संवर्धन और उनके कल्याण के लिए सरकारें अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ काम कर रही हैं, लेकिन मानव अधिकारों और उनके जीवन स्तर के बारे में विचार क्यों कम किया जाता है? क्या लोगों की जिंदगी की कीमत पशुओं जितनी भी नहीं है? यह एक गंभीर प्रश्न है।

जनसेवक शेट्टी ने आगाह किया है कि केतकीपाड़ा मामले में वन विभाग की किसी भी गलत कार्रवाई से उत्पन्न होने वाले सामाजिक असंतोष की पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। न्यायालय के माध्यम से स्पष्ट आदेश प्राप्त करके उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करते हुए वहां के निवासियों को उनके अधिकारों के घर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका जीवन स्तर ऊपर जाएगा और सामाजिक स्थिरता भी बनी रहेगी।

बंद मकान में चोर ताला तोड़कर चोरो ने नकदी सहित जेवर चोरी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अंबारी क्षेत्र में बुधवार रात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों का जेवर उठा ले गए। पीड़ित ने डायल 112 पर इसकी सूचना दी। रात में ही अंबारी और फूलपुर पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पीड़ित ने लिखित तहरीर दी गई है। अजय गुप्ता निवासी रूपधर पट्टी ओरिल की माहुल रोड पर किराना की दुकान है। वहीं अंबारी-आंधीपुर रोड पर मकान है। उसी मकान में गोदाम भी है। महिलाएं पहले से ही शादी में गईं थीं। रात 9 बजे गोदाम बंद कर दी गई। रात 11 बजे वापस आने पर देखा तो गेट के अंदर का ताला टूटा था। चोरों ने 4 आलमारी और उसमें लगे तीन लॉकर तोड़े थे। जिसमें रखी हुई एक लाख नकदी और लाखों का जेवर नहीं थे। कोतवाली प्रभारी सच्चिदानंद यादव ने बताया कि मौके पर रात को ही गया था। चोरी हुई है, लेकिन चोरी संदिग्ध लग रही है।

डॉ दीपक यादव संग डॉ योगिता परिणय-सूत्र में बधे

विरार (उत्तर शक्ति)। ए 303 गैलेक्सी एव्हन्यु राजनगर नियर कॅपिटल मॉल नालासोपारा पूर्व निवासी यादव समाज में लोक प्रिय लालबहादुर मिठठु यादव के सुपुत्र डॉ दीपक यादव का शुभ विवाह समारोह 7 फरवरी 2025 दिन शुक्रवार को नालासोपारा पूर्व देशमुख हॉल में संपन्न हुआ। डॉ दीपक यादव का स्वतः डेंटल क्लिनिक है। नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी स्थित साईं बाबा मंदिर के पास ओसवाल डेंटल क्लिनिक नाम से क्लिनिक प्रसिद्ध है। डॉ दीपक यादव एक सरल सौम्य मिलनसार व्यक्ति है, पिता लालबहादुर मिठठु यादव का पैतृक गांव उत्तर प्रदेश जनपद आजमगढ़ पोस्ट कटौली ग्राम शेखुपुर के मूल निवासी हैं। महाराष्ट्र जिला पालघर नालासोपारा पूर्व से बारात देशमुख हॉल नालासोपारा पूर्व में संपन्न हुई । बरात में शहनाई एवं बैंड बाजे की धुन पर हर कोई थिरकता हुआ नजर आया और लोग खुशी से झूम रहे थे। उस समारोह में नालासोपारा पूर्व के अनेक जाने माने लोग वर बधु को आशीर्वाद देने के लिए शामिल हुए थे। जिसमें समाजसेवी व उदय रियल एस्टेट एजेंट उदय यादव , दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, पत्रकार प्रेम चंद मिश्रा, हवलदार यादव, पिता लालबहादुर मिठठु यादव, मां ऊषा लालबहादुर यादव, लालमन मिठ्ठू यादव, सविता यादव अनिल यादव अनीता यादव सुनील यादव अनीता सुनील यादव डॉक्टर सूरज लालमन यादव नीरज यादव धीरज यादव रोशन यादव दुर्गेश यादव शौर्य यादव परिवार के लोग उपस्थित होकर वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। पिता लालबहादुर यादव ने सभी आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

हल्दी-कुंकु समारोह एवं भव्य पालकी समारोह आयोजित

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी वसई द्वारा प्रायोजित श्री शिवप्रहार प्रतिष्ठान द्वारा वसई रोड पर पंचवटी नाका पर आयोजित शिव जयंती महोत्सव 2025 के अवसर पर आयोजित हल्दी-कुंकु समारोह एवं भव्य पालकी समारोह में भाग लेने के लिये वसई विधायक स्नेहा दुबे को सम्मानित किया। समाज में महिलाओं के सम्मान और संस्कृति के संरक्षण के लिए आयोजित हल्दी-कुंकू समारोह के साथ-साथ शिव भक्तों की सहज भागीदारी से पालकी समारोह किया। इस अवसर पर अध्यक्ष संस्थापक शिव प्रहार प्रतिष्ठान सिद्धेश तावड़े, महिला मोर्चा प्रदेश सचिव अपर्णा पाटील, उत्तम कुमार नायर, मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, मैथ्यू कोलासो, बाला सावंत, शेमल एगसिया, विनोद

कुमार, रितेश सत्यनाथ, सुरेश प्रजापति, जितेंद्र वेंगुरलेकर, राज देव सिंग, देवन अहिर, सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे. स्नेहा दुबे ने सत्यनारायण भगवान को नमन किया पूजा अर्चना किया। विर शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पुष्प अर्पण करके नमन किया। सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी ने शिवाजी महाराज का जयकरा करके कार्यक्रम समाप्त किया।

प्रवीण वेलजी छेड़ा को दी जन्मदिन की शुभकामनाए

मुंबई। गुरुवार के दिन भाजपा मुंबई सचिव व माजी नगरसेवक प्रवीण वेलजी छेडा जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई उनके घर प्रवीण छेडा जनसेवालय,कपोल सेनेटेरियम, महात्मा गांधी रोड, घाटकोपर(पश्चिम) मुंबई मे शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई दी गई इस मौके पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार के संवाददाता सुखबिंदर सिंह,भाजपा उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई उपाध्यक्ष व समाचार 9 ब्युरो चीफ हरिकेश जैसवाल, शंकर बुटे, प्रिया बुटे सहित कई लोगो ने भी जन्मदिन की हार्दिक शुभकमनाएं दी गई।

पूर्वांचलियों ने योगी बजट को बताया ऐतिहासिक, छात्राओं के लिए खास तोहफा

***3 करोड़ किसानों को मिला 80 हजार करोड़ का फंड**
***मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने इसे समाज के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति के जीवन स्तर में आमूल चूल परिवर्तन वाला बजट बताया**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। योगी आदित्यनाथ सरकार ने गुरुवार को 9वां वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किया. इस बार का बजट 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये का है, जो पिछले साल से 9.8 फीसदी अधिक है. प्रदेश का अबतक का सबसे बड़ा बजट है. बजट में युवा, गरीब, किसान, धार्मिक पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स और महिला उत्थान पर खास फोकस किया गया है। इसमें महिलाओं को स्कूटी, गरीबों को सिलेंडर शामिल है। शिक्षा पर कुल बजट का 13 फीसदी और कृषि क्षेत्र पर 11 फीसदी खर्च का प्रस्ताव है. बजट में चार नए एक्सप्रेसवे की घोषणा की गई है। जिस पर 1500 करोड़ से ज्यादा का खर्च होगा. सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है।

बजट में किसानों को मुफ्त सिंचाई के लिए 1300 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं. इसके अलावा लखनऊ में एआई सिटी बनाने के साथ ही बांके बिहार कॉरिडोर के लिए 150 करोड़ का ऐलान किया गया है. यूपी में पुलों के निर्माण के लिए 1450 करोड़ रुपये दिए जाएंगे. उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के लिए 11.50 करोड़ रुपये दिए गए हैं. उत्तर प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने इसे उत्तर प्रदेश का अब तक का ऐतिहासिक बजट करार दिया है। उन्होंने इस बजट को सार्वभौमिक बताते हुए कहा, इस बजट से समाज के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति के जीवन स्तर में आमूल चूल परिवर्तन हेतु प्रावधान किया गया है। बजट में जनसामान्य के बुनियादी सुविधाओ के साथ ही प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत एवं और विकसित किए जाने प्रस्ताव है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपने वार्षिक बजट में समाज के हर वर्ग के लिए कल्याण की दृष्टिकोण से कार्य किया गया है। बजट सर्व स्पर्शी है। बजट में सुरक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण एवं अन्य समस्त आम जनता के हित को ध्यान में रखकर कार्य किया गया है। इस बजट के लिए प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ उन्होंने आभार जताया है।

वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, रवि पाटौदिया, उमेश गुप्ता एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हज कमेटी उत्तर प्रदेश के सदस्य सरवर सिद्दीकी ने कहा कि इस बजट का मुख्य उद्देश्य गरीबों, अन्नदाता किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि पहली बार 65 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने उत्तर प्रदेश का दौरा किया, जिसमें 14 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल थे। यह बजट डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जो राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में प्रदेश में आर्थिक उन्नति हुई है। यही कारण है कि प्रति व्यक्ति आय में भी इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2016-2017 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय मात्र 52,671 रुपये थी। मात्र तीन वर्ष की अवधि में प्रति व्यक्ति आय 2019-2020 में बढ़कर 65,660 रुपये के स्तर पर पहुंच गयी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-2025 में प्रदेश की जी.एस.डी.पी. 27.51 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यूपवी अब देश में विकास दर में वृद्धि करने वाले राज्यों में अग्रणी हो गया है। वर्ष 2023-2024 में भारत देश की जी.डी.पी. की वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत थी जबकि हमारे प्रदेश की वृद्धि दर 11.6 प्रतिशत रही है।

धरती पर उगाया सूर्य! 22 मिनट तक धधकता रहा, बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली। फ्रांस में स्थित एक न्यूक्लियर फ्यूजन मशीन ने 22 मिनट से ज्यादा समय तक प्लाज्मा बनाए रखा है, जो कि इससे पहले चीन द्वारा बनाए गए विश्व रिकॉर्ड से लगभग 5 मिनट ज्यादा है। इस मशीन को आर्टिफिशियल सन कहा जाता है, क्योंकि यह सूर्य के केंद्र में होने वाली प्रक्रिया की नकल करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर पृथ्वी पर स्थिर न्यूक्लियर फ्यूजन संभव हो जाता है, तो यह एक शक्तिशाली और अक्षय ऊर्जा स्रोत बन सकता है। यह उपलब्धि फ्यूजन एनर्जी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस रिकॉर्ड को बनाने वाली मशीन का नाम हएरळ है, जो फ्रांस की सरकारी रिसर्च एजेंसी उएअ चला रही है। WEST एक टोकामक संरचना पर आधारित है, जो डोनट के आकार की होती है। इसमें प्लाज्मा को शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र में कैद किया जाता है, और यहीं फ्यूजन प्रक्रिया होती है। हालांकि, बड़े पैमाने पर ऊर्जा उत्पादन के लिए अभी और काम करना होगा, और इसमें कई दशक लग सकते हैं।

पति की चाहत को ठुकराने के बाद पत्नी के जीवन में आया भूचाल

नईदिल्ली। एक पति लंबे समय से अपनी पत्नी से एक विशेष चाहत पूरी करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पत्नी बार-बार इसे नकार देती थी। इस निराशा में पति ने एक दिन ऐसा कदम उठा लिया, जिसने उसकी, पत्नी और बच्चों की जिंदगी में भूचाल ला दिया। पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी इलाके का है। आरोपी की पहचान हर्ष गोयल के रूप में हुई है। पुलिस ने हर्ष गोयल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। यह घटना 17 फरवरी की सुबह करीब नौ बजे हुई, जब पुलिस को सूचना मिली कि एक युवती जोहरीपुर इलाके में गंभीर हालत में पड़ी है।

मंदिर प्रबंधन शिक्षा पद्धति पर विशेष जोर देने की जरूरत

मुंबई/तिरुपति। आज के आधुनिक युग में भी मंदिर प्रबंधन शिक्षा पद्धति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ऐसा प्रतिपादन डॉ. सुरेश हावरे और डॉ. उदय सालुंखे ने अंतरराष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी, यानी आईटीसीएक्स २०२५ में आयोजित चर्चा सत्र के दौरान किया। यह मंदिर महोत्सव तिरुपति के आशा कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। टेंपल कनेक्ट और आईटीसीएक्स के संस्थापक गिरीश वासुदेव कुलकर्णी ने इस चर्चासत्र का संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. हावरे ने कहा कि, मंदिर सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के केंद्र होने चाहिए और इनका उद्देश्य सेवा, भक्त और समाज केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर सभी के लिए खुले होने चाहिए और किसी भी प्रकार की अटकाव के बिना भक्तों के लिए सुलभ होने चाहिए। उन्होंने मंदिर प्रबंधन में अनुशासन, भीड़ नियंत्रण, कचरा प्रबंधन, स्वच्छता, भक्त-समावेशी योजनाएं, शिक्षा योजनाएं, प्रसाद प्रबंधन प्रणाली और सेवा प्रबंधन प्रणाली पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआय), आभासी वास्तविकता (व्हीआर), चेहरा पहचान प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से निगरानी को शामिल करना आवश्यक है। मंदिरों के दान प्रबंधन भी पारदर्शक होना चाहिए ऐसा उन्होंने कहा।

इसके साथ ही, उन्होंने आगे कहा, भक्तों की संतुष्टि सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि भक्त ही भगवान का स्वरूप हैं। इसलिए मंदिरों को भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सा सहायता और शैक्षिक सेवाएं भी प्रदान करनी चाहिए। यदि मंदिर भक्तों को ये सेवाएं प्रदान करेंगे, तो उन्हें समाज का बड़ा समर्थन मिलेगा। इस संदर्भ में, डॉ. हावरे ने शिरडी साईं बाबा संस्थान का उदाहरण दिया। उन्होंने स्वयं साईं बाबा के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की कठिनाइयों का अनुभव किया और उसके बाद कुछ महत्वपूर्ण योजनाएं और मार्गदर्शक सिद्धांत लागू किए। प्रतीक्षा कतार में खड़े भक्तों के लिए मुफ्त चाय, कॉफी और बिस्किट उपलब्ध कराना, बच्चों को दुग्धपान के लिए अलग कक्ष बनाना, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों के साथ माताओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सीधे दर्शन की व्यवस्था जैसी सुविधाएं उन्होंने संस्थान में लागू कीं। उन्होंने शिरडी संस्थान द्वारा संचालित दो अस्पतालों के बारे में भी जानकारी दी। इन अस्पतालों में मुफ्त स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे लगभग ५ लाख लोग लाभान्वित होते हैं। उन्होंने कहा कि भक्तों को रक्तदान के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। संस्थान की शैक्षिक सेवाओं से ६,००० छात्रों को लाभ हो रहा है। इसके अलावा, शिरडी शहर की सफाई की जिम्मेदारी भी संस्थान ने उठाई हुई है। भारत के सभी मंदिरों और मंदिर शहरों पर किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, शिरडी को सबसे स्वच्छ मंदिर और मंदिर शहर घोषित किया गया। भारत के राष्ट्रपति ने शिरडी मंदिर को प्रथम स्थान का पुरस्कार प्रदान किया और हर वर्ष शिरडी नगर पालिका को १५ करोड़ रुपये स्वीकृत किए जाते हैं, ऐसा उन्होंने बताया।

ओआरएसएल बनाने वालों की नई पहल डायरिया से डर नहीं, अगले 2+ साल में लगभग 5 मिलियन से ज्यादा बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य

मुंबई। ओआरएसएल बनाने वाली कंपनी केनव्यू ने पॉपुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के साथ मिलकर एक नई जनस्वास्थ्य पहल डायरिया से डर नहीं की शुरूआत की है है। अगले दो+ वर्षों में लगभग 5 मिलियन बच्चों तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ, यह पहल उत्तर प्रदेश और बिहार के १० जिलों में दस्त से होने वाली मृत्यु दर को कम करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर केंद्रित होगी। यह पहल सरकार के स्टॉप डायरिया अभियान के प्रयासों को पूरक करेगी, जिसका लक्ष्य भारत में दस्त के कारण शून्य शिशु मृत्यु दर प्राप्त करना है। डायरिया से डर नहीं अभियान के तहत, ORSL के निमार्ता केनव्यू और PSI इंडिया राज्य सरकार के अधिकारियों और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर एक एकीकृत दस्त प्रबंधन कार्यक्रम लागू करेंगे। यह कार्यक्रम रोकथाम और उपचार के दोनों पहलुओं पर केंद्रित होगा, जिसमें विशेष रूप से 0-5 वर्ष के बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा। समुदाय में जागरूकता बढ़ाना और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना ताकि दस्त प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सके। आशा कार्यकताओं, सेवा प्रदाताओं और देखभालकर्ताओं की क्षमता निर्माण में सहायता करना, जो इस स्थिति के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों में ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) और जिंक के वितरण के साथ-साथ समग्र हाइड्रेशन समाधानों द्वारा डायरिया के मामलों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करना और मामलों के उच्च कवरेज और प्रबंधन को बढ़ावा देना। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के बदायूं, मथुरा, उन्नाव, मुरादाबाद, गोंडा, श्रावस्ती, फिरोजाबाद और बिहार के सुपौल, दरभंगा और पूर्णिया जिलों में चलाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा अनुशंसित ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट (ORS) दस्त के इलाज के लिए स्वर्ण मानक (Gold Standard) माना जाता है, फिर भी इसका पर्याप्त रूप से उपयोग नहीं किया जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में सरकार द्वारा किये जा रहे एकीकृत प्रयासों से ORS कवरेज में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (2015-16) की तुलना में १०% का उल्लेखनीय सुधार हुआ है, लेकिन यह अब भी 60.6% पर बना हुआ है, जो कम है। उत्तर प्रदेश और बिहार में दस्त रोग एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बना हुआ है, विशेष रूप से पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए। उत्तर प्रदेश में डायरिया का प्रसार 5.6% है, दूषित पानी, खराब स्वच्छता और सामुदायिक जागरूकता में कमी डायरिया के प्रकोप और मृत्यु दर को बढ़ाने के मुख्य कारण हैं।

धरती पर उगाया सूर्य! 22 मिनट तक धधकता रहा; बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली। फ्रांस में स्थित एक न्यूक्लियर फ्यूजन मशीन ने 22 मिनट से ज्यादा समय तक प्लाज्मा बनाए रखा है, जो कि इससे पहले चीन द्वारा बनाए गए विश्व रिकॉर्ड से लगभग 5 मिनट ज्यादा है। इस मशीन को ह्यआर्टिफिशियल सनह्ण कहा जाता है, क्योंकि यह सूर्य के केंद्र में होने वाली प्रक्रिया की नकल करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर पृथ्वी पर स्थिर न्यूक्लियर फ्यूजन संभव हो जाता है, तो यह एक शक्तिशाली और अक्षय ऊर्जा स्रोत बन सकता है। यह उपलब्धि फ्यूजन एनर्जी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस रिकॉर्ड को बनाने वाली मशीन का नाम WEST है, जो फ्रांस की सरकारी रिसर्च एजेंसी उएअ चला रही है। हएरळ एक टोकामक संरचना पर आधारित है, जो डोनट के आकार की होती है। इसमें प्लाज्मा को शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र में कैद किया जाता है, और यहीं फ्यूजन प्रक्रिया होती है। हालांकि, बड़े पैमाने पर ऊर्जा उत्पादन के लिए अभी और काम करना होगा, और इसमें कई दशक लग सकते हैं। पिछले महीने चीन की एअरळ मशीन ने 1,066 सेकंड तक प्लाज्मा को स्थिर रखा था, जो पहले के रिकॉर्ड से बेहतर था। अब, 12 फरवरी को हएरळ ने 1,337 सेकंड तक प्लाज्मा बनाए रखकर नया विश्व रिकॉर्ड बना लिया है। एअरळ और हएरळ दोनों ही प्रयोगात्मक फ्यूजन मशीनें हैं, जिनका विकास एक वैश्विक वैज्ञानिक टीम कर रही है। ये वैज्ञानिक फ्रांस में बन रहे क्ळएफप्रोजेक्ट से भी जुड़े हैं।

सूचना

सार्वजनिक तौर पर यह घोषित करना चाहती हूँ कि मैंने अपनी दसवीं की परीक्षा अनुक्रमांक 5013231 / वर्ष 2019 से उत्तीर्ण की है। जिसमें मेरी माता का नाम गजाला शाहीन और पिता का नाम इकबाल खान मुद्रित है। जिसे मैं परिवर्तित कर परिवर्तन के द्वारा भविष्य में मेरी माता को शबनम खातून / मेरे पिता को मोहम्मद इकबाल खान नाम से जाना और समझा जाए।

प्रार्थी-
आलिया इकबाल खान, पुत्री श्री मोहम्मद इकबाल खान, निवासी-133, बलुआघाट चक प्यार अली, हनुमान मंदिर के पास, सदर जौनपुर, जौनपुर, 222001

भारत का सबसे बड़ा मंदिर सम्मेलन आईटीसीएक्स २०२५ में १५०० से अधिक मंदिर

तिरुपति। आंध्र प्रदेश की आध्यात्मिक शहर तिरुपति में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी-आयसीटीएक्स २०२५ का भव्य समापन समारोह हाल ही में संपन्न हुआ। यह भारत का सबसे बड़ा और प्रभावशाली मंदिर प्रबंधन सम्मेलन साबित हुआ, जिसमें १५०० से अधिक मंदिरों, प्रतिष्ठित राजनीतिक नेताओं और हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन धर्मगुरुओं सहभाग था। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत २०४७ के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए यह सम्मेलन सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों को मजबूती देते हुए, मंदिर प्रशासन, शाश्वत मूल्य और तकनीकी समावेशन को नया आकार देने वाला एक ऐतिहासिक मंच बना। इसमें मंदिर स्वायत्तता, स्मार्ट मंदिर मिशन और विश्व की सर्वोत्तम प्रथाओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ, जिससे मंदिरों को धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति के केंद्रों के रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में एक नया मानदंड स्थापित हुआ। आईटीसीएक्स और टेंपल कनेक्ट के संस्थापक गिरीश कुलकर्णी और आईटीसीएक्स के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र विधान परिषद के मुख्य प्रतोद प्रसाद लाड की संकल्पना से आयोजित इस महोत्सव ने मंदिर प्रतिनिधियों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि मंदिर, हिंदू समाज के शक्ति केंद्र के रूप में कैसे पुनः स्थापित किए जा सकते हैं। भारत की मंदिर अर्थव्यवस्था वर्तमान में ४-५ लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच चुकी है, जो किसी भी बड़े वैश्विक उद्योग से कम नहीं। इस पृष्ठभूमि में हुई चर्चाओं में मंदिरों के प्रबंधन को व्यावसायिक संस्थानों की तरह संचालित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि आम जनता द्वारा दी गई दानराशि को चिकित्सा सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और लंगर के माध्यम से समाज कल्याण में लगाया जा सके। अपने दूसरे ही सम्मेलन में आईटीसीएक्स ने मंदिर प्रबंधन के पुनर्गठन में एक महत्वपूर्ण प्रेरणास्रोत के रूप में अपनी भूमिका को दृढ़ किया है।